RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

खास खबर

भूख की जद्दोजहद : नाग ने निगल लिया अपने से बड़ा सांप, रेस्क्यू टीम ने जंगल में छोड़ा

अंबिकापुर। भूख मिटाने के लिए इंसान ही नहीं जानवर भी कभी-कभी कुछ ऐसी हरकते कर बैठते हैं जो अजीबोगरीब होती है। ऐसा ही एक मामला छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में सामने आया है। सरगुजा जिले में एक पांच फीट के लंबे नाग ने भूख मिटाने के लिए अपने से बड़ा (छह फीट लंबा) सांप निगल लिया। सांप निगलने के बाद वह काफी असहज महसूस कर रहा था, वह देर से एक ही जगह पड़ा था। जिसे देखकर लोग डर गए। फिर स्नेक रेस्क्यू टीम को सूचना दी गई। जिसके बाद ये पूरा मामला सामने आया। अब इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो वायरल हो रहा है। दरअसल, सरगुजा जिले में पिछले दिनों बारिश हुई थी। जिसकी वजह से सांप बिल से निकलकर घरों के आस-पास पहुंचने लगे थे। इसी दौरान मंगलवार को अंबिकापुर से नौ किलोमीटर दूर अजीमा गांव में भी एक बड़ नाग पहुंच गया था। जानकारी के मुताबिक सांप संदीप मंडल नाम के शख्स के घर के पास बने एक छोटे झोपड़ी के किनारे पड़ा था। संदीप ने बताया कि हमने पहले देखा तो ध्यान नहीं दिया। लेकिन तीन घंटे बाद भी वह सांप वहीं पड़ा रहा। जिसे देखकर डर लगा रहा था। उसके शरीर का आधा हिस्सा बिल में था और आधा बाहर।

काफी देर तक जब वहां से नहीं हटा था। इसके बाद आस-पास के लोगों ने स्नेक रेस्क्यू टीम को इसकी सूचना दी। खबर लगते ही स्नेक रेस्क्यू टीम के एक सदस्य मौके पर पहुंचे और सांप को रेस्क्यू करने का काम शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि पहले तो लगा कि नाग ने कोई अंडा निगल लिया है, लेकिन काफी प्रयास करने पर भी वह हट नहीं रहा था। फिर हमने जब उसे छेड़ना शुरू किया तो उसने अपने मुंह से सांप निकाला जो काफी बड़ा था।

उन्होंने बताया कि यह आमतौर पर कम देखने को मिलता है कि कोई नाग अपने से बड़े सांप को ही निगल ले। लेकिन यहां ऐसा हुआ, उन्होंने बताया कि हमने देखा कि नाग ने एक धमधा सांप को जो छह फीट का था, उसे निगल रखा था। फिर धीरे-धीरे उसे छोड़ दिया, लेकिन सांप की अंदर ही मौत हो गई थी।

कांग्रेस के 28 विधायक रायपुर पहुंचे, हुड्डा बोले-अपने विधायकों का ध्यान रखे भाजपा

चंडीगढ़/रायपुर (एजेंसी)। हरियाणा से राज्यसभा के लिए कांग्रेस के उम्मीदवार अजय माकन की जीत को सुनिश्चित करने के लिए पार्टी ने मोर्चा संभाल लिया है। अंदरखाने भीतरघात के डर से 31 में से 28 विधायक रायपुर भेज दिए गए हैं। विधायक निजी विमान से रायपुर भेजे गए। अब सभी 10 जून को मतदान के दिन लौटेंगे। रायपुर भेजने से पहले केसी वेणुगोपाल ने नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा के निवास पर विधायकों की बैठक ली।

इससे पहले सभी 31 विधायकों को गुरुवार को पांच जोड़ी कपड़ों के साथ दिल्ली तलब कर लिया गया था। तीन विधायक कुलदीप बिश्नोई, किरण चौधरी व चिरंजीव राव नहीं पहुंचे। बाकी विधायक सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के आवास पर पहुंच गए हैं, जहां से सभी को छत्तीसगढ़ ले जाया जाएगा। हरियाणा कांग्रेस प्रभारी विवेक बंसल ने दावा किया कि सभी विधायक एकजुट हैं। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कोई विधायक नाराज नहीं है। मैं बीजेपी से कहना चाहता हूं कि वह अपने हरियाणा

के विधायकों को सुरक्षित रखे।

जीत के लिए चाहिए 30 विधायक

कांग्रेस के विधानसभा में 31 विधायक हैं, माकन को जीतने के लिए 30 वोट चाहिए। नाराज विधायक कुलदीप बिश्नोई की अनुपस्थिति की स्थिति में 30 विधायक एकजुट रहते हुए वोट करते हैं तो माकन आराम से जीत जाएंगे। लेकिन, आलाकमान के पास रिपोर्ट पहुंची है कि निर्दलीय विधायक कार्तिकेय शर्मा और उनके पूर्व मंत्री पिता विनोद शर्मा कुछ कांग्रेस विधायकों को तोड़ने की फिराक में हैं। पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा निर्दलीय उम्मीदवार के ससुर हैं, इसलिए पार्टी और सतर्क हो गई है। विनोद शर्मा के कुछ कांग्रेस विधायकों के साथ बेहद घनिष्ठ संबंध हैं, उसके मद्देनजर शीर्ष नेतृत्व कोई चूक नहीं करना चाहता।

क्रॉस वोटिंग की संभावना कम, गलत निशान से रद्द होगा वोट

10 जून को राज्यसभा की दोनों सीटों के लिए होने वाले मतदान में क्रॉस वोटिंग की संभावना कम है। चूंकि, भाजपा, कांग्रेस के साथ निर्दलीय उम्मीदवार के चुनाव प्रभारी व एजेंट मौके पर मौजूद रहेंगे। विधायकों को वोट डालने से पहले उन्हें दिखानी होगी। ऐसे में प्रभारी को पता चल जाएगा कि किस विधायक ने किसे वोट दिया है। बैलट पेपर न दिखाने पर वोट रद्द हो जाएगा। इसके अलावा विधायक अगर बैलट पेपर पर गलत निशान लगाते हैं, तब भी वोट रद्द होगा।

छत्तीसगढ़ के एक लाख कर्मचारी आज छुट्टी पर सरकार को याद दिला रहे वादा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज एक लाख सरकारी कर्मचारी छुट्टी पर हैं। इससे दफ्तरों के काम पर असर पड़ेगा। ये कर्मचारी उन्हें नियमित करने की मांग कर रहे हैं। यदि कोई सुनवाई नहीं की गई तो एक सितंबर से बेमियादी आंदोलन करेंगे।

कांग्रेस ने 2018 के छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में वादा किया था कि राज्य के अनियमित कर्मचारियों को नियमित करेंगे। ऐसे कर्मचारियों की संख्या एक लाख से ज्यादा है। छत्तीसगढ़ संयुक्त अनियमित कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर रायपुर के बूढ़ा तालाब में शुक्रवार को चेतावनी सभा आयोजित की गई है। संगठन के संयोजक गोपाल साहू के अनुसार इस आंदोलन के जरिए राज्य की कांग्रेस सरकार पर नियमितिकरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए जोर डाला जाएगा। यदि कोई सुनवाई नहीं की गई तो एक सितंबर से अनिश्चितकालीन काम बंद किया जाएगा।

संगठन के प्रांताध्यक्ष रवि गडपाले ने कहा कि आज होने वाली चेतावनी सभा में एक लाख से ज्यादा कर्मचारी एक दिन की छुट्टी लेकर शामिल होंगे। कर्मचारी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस ने सरकार बनने पर 10 दिन में नियमित करने का वादा था, लेकिन साढ़े तीन साल बाद भी वादा पूरा नहीं हुआ है। तीन साल बाद भी नियमितीकरण कमेटी की रिपोर्ट पूरी नहीं हुई है। डाटा एकत्रित नहीं किया जा सका। आउटसोर्सिंग बंद नहीं हुई और वेतन वृद्धि रोक कर छंटनी शुरू कर दी गई। इससे अनियमित कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है।

कर्मचारी नेताओं ने राज्य की भूपेश बघेल नीत कांग्रेस सरकार से मांग की कि वह जल्द वादे पूर्ण करे अन्यथा बेमुद्दत आंदोलन कर सरकार का काम ठप कर दिया जाएगा।

सोनिया गांधी व राहुल को ईडी से समन, नोटिस पर भड़के छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी, सीएम भूपेश बोले- सत्य नहीं झुकेगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

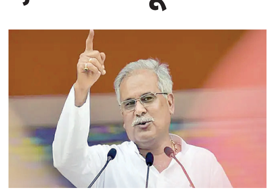

रायपुर। नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से समन जारी किया गया है। सोनिया गांधी को 8 जून को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। कांग्रेस नेता केंद्र सरकार पर सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रही है। कांग्रेस के प्रमुख नेताओं को नोटिस जारी होने के बाद छत्तीसगढ़ की सियासत भी गरमा गई है। सीएम भूपेश बघेल और स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने ट्वीट कर केंद्र सरकार पर राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया है।

सीएम भूपेश बघेल ने अपने ट्वीटर हैंडल एकाउंट पर कहा कि झूठ जानता है कि वो सच को हरा नहीं सकता। कायर को भी पता है कि वो निडर को डरा नहीं सकता। सत्ता और संवैधानिक संस्थाओं को राजनीतिक बदले का हथियार बनाना कायरता ही है। पूरा देश सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने #सत्य-नहीं-झुकेगा। हैशटैग के साथ ट्वीट किया है। वहीं छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम ने ट्विटर पर लिखा है। जब कांग्रेस अंग्रेज हुकूमत के अत्याचारों से नहीं डरी तो ईडी का नोटिस सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की हिम्मत को क्या खाक तोड़ पाएगा। हम लड़ेंगे... हम जीतेंगे... हम झुकेंगे नहीं... हम डरेंगे नहीं...।

तीन माह बाद देश में कोरोना के मामले 4000 पार, इन राज्यों में बढ़े केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना के दैनिक मामले तीन माह बाद फिर 4000 के पार पहुंच गए हैं। बीते 24 घंटे में भारत में 4041 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। महाराष्ट्र, केरल, दिल्ली में एक बार फिर मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सक्रिय केस में भी बीते 24 घंटे में 1668 की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 21,177 हो गए। बीते कुछ दिनों में नए संक्रमित और सक्रिय केस लगातार बढ़े हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार सुबह 8 बजे अपडेट किए गए आंकड़ों में दैनिक केस में तेज बढ़ोतरी नजर आई। इस दौरान 10 लोगों की कोरोना के कारण मौत हुई। मंत्रालय के अनुसार देश में अब कुल संक्रमितों की संख्या 43,168,585 पर पहुंच गई है, वहीं कुल मृतक संख्या भी बढ़कर 5,24,651 हो गई। सक्रिय केस में भी बीते 24 घंटे में 1668 की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 21,177 हो गए। बीते दिनों में नए संक्रमित और सक्रिय केस बढ़े हैं।

गुरुवार को देश में कोरोना केस 35.2 फीसदी बढ़े थे। गुरुवार सुबह समाप्त 24 घंटे में कोरोना के 3,712 नए केस मिले थे, वहीं पांच की मौत हुई थी। कोविड के नए मामले ज्यादातर केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा और कर्नाटक में मिल रहे हैं। नए केसों में से 80 फीसदी से ज्यादा सिर्फ इन्हीं पांच राज्यों में मिले हैं।

मुंबई में 17 दिनों बाद कोविड से मौत

देश की व्यावसायिक राजधानी मुंबई में 17 दिन बाद कोरोना से एक मौत हुई। मुंबई के अस्पतालों में मरीजों की संख्या भी बढ़ी है। पुणे में भी संक्रमण तेज हो रहा है। चेन्नई और बेंगलुरु समेत देश के कई प्रमुख शहरों में संक्रमण बढ़ रहा है। महाराष्ट्र के अतिरिक्त मुख्य स्वास्थ्य सचिव डॉ प्रदीप व्यास ने कहा कि मुंबई की संक्रमण दर बढ़कर 6 फीसदी हो गई है, जबकि राज्य की 3 फीसदी है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने कहा है कि यदि मुंबई में केस बढ़ना जारी रहे तो मास्क एक बार फिर अनिवार्य किया जा सकता है।

सुकमा में नक्सलियों ने की सरपंच पति की हत्या, 2 दिन पहले किया था अपहरण, जन अदालत लगाकर मार डाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ के अति नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में माओवादियों का क्रुर चेहरा एक बार फिर सामने आया है। नक्सलियों ने जन अदालत लगाकार एक ग्रामीण की हत्या कर दी। माओवादी उसे मंगलवार को घर से अपहरण कर ले गए थे। नक्सलियों ने जिस ग्रामीण की हत्या की है वह सुरपनगुड़ा गांव की सरपंच का पति है। माओवादियों ने ग्रामीण पर फोर्स व पुलिस को मदद करने का आरोप लगाया है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

मिली जानकारी के मुताबिक माओवादियों ने चिंतलनार थाना क्षेत्र में हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। नक्सलियों ने बुधवार-गुरुवार के बीच जन अदालत लगाई थी, जिसमें सुरपनगुड़ा के सरपंच मड़कम नंदे के पति मड़कम सन्ना की हत्या कर दी गई। नक्सलियों ने मड़कम सन्ना पर फोर्स को मदद करने का आरोप लगाया है। नक्सलियों की इस करतूत की बाद इलाके में दहशत

है। सूचना पर फोर्स को गांव भेजा गया था। पुलिस के मुताबिक नक्सली घटते जनाधार से बैकफुट पर हैं और ऐसी घटनाओं को अंजाम देकर अपना दबदबा कायम करना चाहते हैं।

घर से अपहरण कर ले गए थे माओवादी

पुलिस के मुताबिक मंगलवार को मड़कम सन्ना कुछ काम से जगरगुंडा गया था। वहां से वह शाम को गांव लौट आया था। इसके बाद हथियारबंद नक्सली रात में उसके घर आ गए और उसे अपने साथ लेकर चले गए। परिजनों ने डर की वजह से पुलिस को इसकी जानकारी नहीं दी। माओवादियों ने चित्रा बोड़ेकोल के जंगलों में जन अदालत लगाकार सरपंच पति की हत्या कर दी। एसपी सुनील शर्मा ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

टारगेट किलिंग के बीच गृहमंत्री शाह की बड़ी बैठक शुरू खीर भवानी मेले का कश्मीरी पंडितों ने किया बहिष्कार

जम्मू कश्मीर (एजेंसी)। कश्मीर में इन दिनों तनाव का माहौल है। लगातार हो रही टारगेट किलिंग के खिलाफ लोगों में भारी रोष है। वहीं, आज नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह प्रदेश की सुरक्षा को लेकर उच्चस्तरीय बैठक कर रहे हैं। दूसरी तरफ जम्मू से कश्मीर संभाग तक आतंकवाद और टारगेट किलिंग के खिलाफ प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। घाटी से बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडित और अन्य अल्पसंख्यक कर्मचारी जम्मू की ओर पलायन कर रहे हैं। इन कर्मचारियों की मांग है कि उन्हें कश्मीर से बाहर ट्रांसफर किया जाए। उनका कहना है कि वे कश्मीर में डर के साये में नौकरी नहीं करना चाहते हैं।

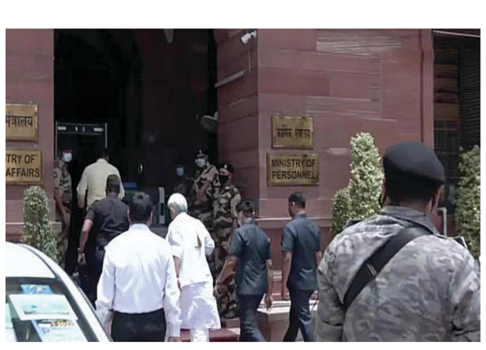

जम्मू के जगती टाउनशिप में माता खीर भवानी अस्थान ट्रस्ट जगती ने हाल ही में कहा है कि वे इस बार क्षीर भवानी मेले में नहीं शामिल होंगे। साथ ही उन्होंने अन्य लोगों से खास कर कश्मीर पंडितों से भी खीर भवानी मेले में नहीं जाने की आह्वान किया है। अस्थान ट्रस्ट का कहना है कि कश्मीर में लगातार कश्मीरी पंडितों एवं अन्य निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है और सरकार अल्पसंख्यक कर्मचारियों की जायज मांग को पूरा नहीं कर रही है। उन्होंने मांग करते हुए कहा है कि उन्हें घाटी से बाहर तैनात किया जाना चाहिए। इस साल आठ जून को कश्मीर के गांदरबल जिले के तुलमुला में खीर भवानी मेले का आयोजन होना है। कोरोना महामारी के चलते दो साल क्षीर भवानी मेला आयोजित नहीं हो पाया था।

अमित शाह की उच्चस्तीय बैठक

केंद्रीय मंत्री अमित शाह की तरफ से नई दिल्ली में बुलाई बैठक शुरू हो गई है। इसमें जम्मू- कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारी शामिल हुए हैं। जम्मू कश्मीर के हालात को लेकर पिछले 15 दिनों के अंदर ये दूसरी बैठक हो रही है। इसमें हो रही हत्याएं से लेकर जून के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा होने जा रही है।

स्थाई स्तंभ

शोध की गुणवत्ता पर इतना बवाल क्यों?

दीपक रंजन दास

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से लेकर उच्च शिक्षा के सभी नियंता संस्थान जोर देकर कहते हैं कि शोध को बढ़ावा मिलना चाहिए। शोध जन से जुड़ा हुआ होना चाहिए। यूजीसी को कुछ पता ही नहीं है। मूल्य मांग और आपूर्ति के आधार पर तय होता है। आज मांग केवल पीएचडी धारकों की है। उनके शोध के विषय की किसी को नहीं पड़ी। पर ऐसा नहीं है कि भारत शोध के मामले में कमजोर है। बल्कि, खगोलशास्त्र, चिकित्सा शास्त्र, गणितीय शास्त्र, अर्थशास्त्र, सभी क्षेत्रों में भारत ने हमेशा अग्रज की भूमिका निभाई है। शोध आज भी हो रहे हैं और बेहद लोकप्रिय भी हैं। फर्क बस इतना है कि अब उनकी दिशा बदल गई है। शोध के नए विषय हैं - सनातन क्या है? हिन्दू कौन हैं? क्या हिन्दुओं के लिए मांसाहार वर्जित है? सात्विक-राजसिक-तामसिक क्या है? पशुओं की बलि क्यों दी जाती थी? मंदिर क्या केवल लूट के उद्देश्य से तोड़े गए? शौच किधर मुंह करके करना चाहिए? लिस्ट बहुत लंबी है-सबकी चर्चा करना या सबको सूचीबद्ध करना कठिन है। कुछ दिन पहले एक लेख पढ़ने को मिला। पाक अधिकृत कश्मीर के गिलगिट-बाल्टिस्तान क्षेत्र में एक घाटी है ङ्क नाम है हुन्जा। 15वीं सदी तक ये बौद्ध धर्म को मानते थे। अब मुसलमान हैं पर मांसाहार नहीं करते। सवाल इनकी आस्था का नहीं बल्कि इनकी जीवनशैली का है जो आस्था के साथ नहीं बदला। इन बेहद खूबसूरत लोगों की औसत आयु 120 वर्ष है। कुछ तो 150 साल से अधिक उम्र के हैं। ये जल्दी बूढ़े नहीं होते। 80-90 साल की औरत भी 30-35 की लगती हैं। शतायु पुरुष भी जवानों की तरह काम करते हैं। कुछ तो प्रकृति का करिश्मा होगा, जिसकी आधुनिक भारत में किसी को पड़ी नहीं है पर इनकी जीवनशैली पर भी शोध होना चाहिए।

संपादकीय

कश्मीर में निशाना

अगर जम्मू-कश्मीर में एक समुदाय को लक्ष्य बनाकर हमले का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा, तो यह न केवल गहरे दुख, बल्कि पुरजोर निंदा का भी विषय है। गुरुवार को आतंकी ने कुलगाम में एक बैंक में घुसकर मैनेजर विजय कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी। अस्पताल पहुंचने से पहले ही राजस्थान के इस युवा बैंककर्मी ने दम तोड़ दिया। अभी मंगलवार को ही आतंकियों ने कुलगाम में ही एक सरकारी स्कूल टीचर रजनी बाला की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इससे पहले बडगाम में तहसील परिसर में घुसकर कर्मचारी राहुल भट की हत्या कर दी गई थी। इस बीच कश्मीरी पंडितों का आंदोलन भी चल रहा है और वे अपनी सुरक्षा तय किए जाने की मांग कर रहे हैं। गौर करने की बात है कि पांच महीने में यह 17वीं 'टारगेट किलिंग' है। जाहिर है, घाटी में खौफ का आलम है। जनवरी महीने से ही ऐसी हत्या या कायरता को आतंकी अंजाम दे रहे हैं। दिक्कत यह है कि घाटी में हर किसी को सुरक्षा देना व्यावहारिक भी नहीं है। आतंकी आसानी से अपनी कायरता का प्रदर्शन कर रहे हैं, क्या उनमें कोई खौफ नहीं है?

> “ अब असुरक्षित महसूस कर रहे लोगों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है, तो इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। कश्मीर में कर्मचारियों को उनकी मुफीद जगह पर ही तैनात करना चाहिए। कश्मीर में विकास तेज हुआ है, तो लोगों को संवेदना और सुरक्षा की तलाश है, जो भी मुट्ठी भर रोड़े राह में आ रहे हैं, उन्हें जल्द से जल्द ठिलल्कने लगाना होगा।

अब जमीनी स्तर पर जहां लोगों के खौफ को दूर करने के लिए काम करना चाहिए, तो वहीं उच्च स्तर पर यह रणनीति बदलने का भी समय है। कश्मीर में कुछ सामान्य होते माहौल की वजह से ही वहां अल्पसंख्यक समुदाय अपने काम पर लौटता दिख रहा है, लेकिन आतंकी नहीं चाहते कि कश्मीर में स्थितियां सामान्य हों। अभी बुधवार को ही जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने हिंदुओं और सिखों को सुरक्षित ठिकानों पर पोस्टिंग देने की बात कही थी, लेकिन ताजा हमले ने चिंता और बढ़ा दी है। यह संदेश जाने लगा है कि घाटी में प्रवासी और अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। ऐसे में, कुछ लोग इस प्रचार में जुट गए हैं कि घाटी से लोग फिर पलायन के लिए तैयार हैं। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि घाटी में पलायन का माहौल फिर से न बने। अगर थोड़ा भी पलायन हुआ, तो सरकार की बड़ी कोशिशों पर पानी फिर जाएगा और बाकी देश में भी सांप्रदायिकता की वजह से माहौल खराब होगा। सद्भाव और परस्पर विश्वास बनाए रखने के लिए ऐसे आतंकी व अलगाववादी तत्वों की जितनी निंदा हो, कम है। जिन लोगों से ऐसी हिंसा की भर्त्सना की उम्मीद की जा रही है, उन्हें अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटना चाहिए। यह सकारात्मक बात है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के स्तर पर सक्रियता बढ़ी है और भले कोई बड़ी घोषणा न हुई हो, लेकिन जमीनी स्तर पर सुरक्षा का एहसास बढ़ना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री और कश्मीर के उप-राज्यपाल की मुलाकात की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहे लोग घाटी में कम नहीं होंगे। जो लोग निशाना बनाए जा रहे हैं, वे पूरे देश के प्रतिनिधि की तरह हैं। ये लोग सद्भाव और देश के प्रति निष्ठा के प्रतिनिधि हैं, ऐसे लोगों की रक्षा सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी लोगों को बड़ी उम्मीदें होंगी। ध्यान रहे, घाटी से जो महापलायन 1990-91 में हुआ था, उसके लिए तत्कालीन प्रशासन को आज भी दोषी ठहराया जाता है। अब असुरक्षित महसूस कर रहे लोगों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है, तो इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। कश्मीर में कर्मचारियों को उनकी मुफीद जगह पर ही तैनात करना चाहिए। कश्मीर में विकास तेज हुआ है, तो लोगों को संवेदना और सुरक्षा की तलाश है, जो भी मुट्ठी भर रोड़े राह में आ रहे हैं, उन्हें जल्द से जल्द ठिलल्काने लगाना होगा।

अमेरिका की बंदूक संस्कृति

अमेरिका के टेक्सास प्रांत में वही हो गया, जो पिछले 250 साल से उसके हर शहर और मोहल्ले में होता रहा है। हर आदमी के हाथ में बंदूक होती है। वह कब किस पर चला दे, पता नहीं चलता। बंदूक का प्रयोग आत्महत्या के लिए तो अक्सर होता ही है लेकिन अमेरिका में कोई हमला ऐसा नहीं गुजरता है, जबकि कहीं न कहीं से सामूहिक हत्या की खबरें न आती हों। अभी टेक्सास में 18 साल के एक नौजवान ने बंदूक उठाई और अपनी दादी को मार डाला। फिर वह एक स्कूल में गया और वहां उसने दो अध्यापकों और 19 बच्चों को मौत के घाट उतार दिया। 10 दिन पहले ही न्यूयार्क के एक बड़े बाजार में एक नौजवान ने दस अश्वेत लोगों को मार डाला था। अब से लगभग 53-54 साल पहले जब न्यूयॉर्क की कोलंबिया युनिवर्सिटी में मैं पढ़ता था तो मैं यह देखकर दंग रह जाता था कि वहां बाजार में खरीदी करते हुए या किसी रेस्तरां में खाना खाते हुए भी लोग अपने बेग में या कमर पर छोटी-मोटी पिस्तौल छिपाए रखते थे।

लगभग सभी घरों में बंदूकें रखी होती थीं। इस समय अमेरिका के 33 करोड़ लोगों के पास 40 करोड़ से भी ज्यादा बंदूकें हैं। याने हर परिवार में तीन-चार बंदूकें तो रहती ही हैं। ये क्यों रहती हैं मुझे मेरे अध्यापकों ने बताया कि बंदूकें रखना अमेरिकी संस्कृति का अभिन्न अंग शुरु से ही है। जब दो-ढाई सौ साल पहले गोरे यूरोपीय लोग अमेरिका आने लगे तो उन्हें स्थानीय 'रेड इंडियन्स' का मुकाबला करना होता था। उसके बाद अफ्रीकी अश्वेत लोगों का बड़े पैमाने पर अमेरिका आगमन हुआ तो शस्त्र-धारण की जरुरत पहले से भी ज्यादा बढ़ गई। इसीलिए अमेरिकी संविधान में जो दूसरा संशोधन जेम्स मेडिसन ने 1791 में पेश किया था, उसमें आम लोगों को हथियार रखने का पूर्ण अधिकार दिया गया था। वह अधिकार आज भी ज्यों का त्यों कायम है।

-वेद प्रताप वैदिक

> “ दिलचस्पी के साथ लोग अंतिम आंकड़ों का इंतजार करेंगे। बिहार सरकार ने जातिगत जनगणना के लिए समय सीमा भी तय कर ली है। फरवरी 2023 तक इस काम को अंजाम दे दिया जाएगा। जनगणना से जुड़े जो बाकी सवाल हैं, उनका हल भी सामने आएगा। अगर जाति आधारित जनगणना कराकर इसकी रिपोर्ट जारी करने में बिहार सफल रहा, तो वह 91 साल बाद ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य हो जाएगा।

जातिगत जनगणना की ओर बढ़ा बिहार

विनोद बंधु

बिहार में सभी धर्मों के लोगों की जाति आधारित गणना जल्द शुरू होगी। इसमें लोगों की आर्थिक स्थिति की भी जानकारी ली जाएगी। नई सदी में बिहार देश का दूसरा राज्य होगा, जो ऐसी गणना कराने जा रहा है। कर्नाटक ने 2015 में यह गणना कराई थी, लेकिन उसने इसकी रिपोर्ट जारी नहीं की। राष्ट्रीय स्तर पर दो बार 1931 और 2011 में जाति आधारित जनगणना हो चुकी है। अभी भी अंग्रेजों के समय 1931 में हुई जातिगत जनगणना का ही इस्तेमाल आम तौर पर होता आया है, जबकि 2011 की जातिगत जनगणना रिपोर्ट जारी नहीं की गई है। बुधवार को सर्वदलीय बैठक में सर्वसम्मति बनने के बाद गुरुवार को राज्य मंत्रिपरिषद ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। राज्य सरकार ने अपने संसाधनों से यह गणना कराने का फैसला किया है।

ऐसी जनगणना के प्रतिकूल केंद्र सरकार का तर्क रहा है कि 1931 में सिर्फ 24 जातियों के लोगों की गणना हुई थी, जबकि 2011 की गणना में 4,28,000 जातियां और उप-जातियां सामने आई थीं। जनगणना के लिए कंप्यूटर में इतने कॉलम बनाना संभव नहीं है, इसलिए यह गणना व्यावहारिक नहीं है। इसके अलावा, भारतीय जनता पार्टी जातिगत जनगणना से समाज में विद्वेष की आशंका भी जताती रही है। बावजूद अपने इन तर्कों के राज्य में जब-जब ऐसी जनगणना की मांग उठी है, भाजपा ने राज्य स्तर पर प्रस्ताव का समर्थन ही किया है। जातिगत गणना कराने के पक्ष में राज्यों की विधानसभाओं ने भी समय-समय पर प्रस्ताव पारित किए। बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों ने फरवरी 2019 और विधानसभा ने फरवरी 2020 में प्रस्ताव पारित किया। इसी तरह तेलंगाना ने अक्तूबर 2021 और ओडिशा ने दिसंबर 2021 में विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर केंद्र से जाति आधारित गणना कराने की मांग की। जब केंद्र सरकार ने ऐसी गणना को अव्यावहारिक करार देते हुए सामान्य जनगणना का फैसला लिया, तब राजनीतिक दलों ने दबाव बनाने के लिए अपने-अपने तरीके से पहल की। बिहार के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने 23 अगस्त 2021 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपकर आग्रह किया कि देश में जाति आधारित गणना कराई जाए। इसके अगले दिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा था कि 'अगर सभी पार्टियां सहमत हों, तो वह राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना के प्रस्ताव का समर्थन करेंगी।' लेकिन केंद्र सरकार ने जब इस मांग को ठुकरा दिया, तब बिहार में सत्ता और विपक्ष ने राज्य स्तर पर गणना पर जोर दिया। ऐसी गणना में जातियों की संख्या अप्रत्याशित रूप से सामने आने के तर्क को खारिज करते हुए नीतीश कुमार ने दावा किया कि बिहार में बेहतर तरीके से इसे पूरा किया जाएगा।

पिछले महीने मई में ऐसी गणना को लेकर सियासी शास्त्रार्थ चल रहा था, तब 17 मई 2022 को भाजपा के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने बयान जारी कर कहा कि भाजपा कभी इसके विरोध में नहीं रही है। भाजपा के गोपीनाथ मुंडे ने 2010 में लोकसभा में इस विषय पर चर्चा के दौरान प्रस्ताव का समर्थन किया था। बुधवार को इस मुद्दे पर पटना में जिस सर्वदलीय बैठक में इस गणना पर सर्वसम्मति बनी, उसमें भाजपा शामिल थी। भारतीय जनता पार्टी जाति आधारित गणना कराने की बजाय गरीबों की गणना कराने पर जोर देती रही है। बिहार में जाति आधारित गणना के साथ इसके लिए भी अलग से कॉलम रखने का फैसला लिया गया है। दूसरी बात, सभी धर्मों में जाति आधारित गणना का तर्क वह देती रही है, बिहार में यह भी होने जा रहा है।

अब देश में कुल मिलाकर जो आधिकारिक स्थिति है, उसमें कोई भी राज्य जाति आधारित गणना कराने के लिए स्वतंत्र है। ऐसी गणना के समर्थक राजनीतिक दलों के अपने-अपने तर्क हैं। बिहार के मुख्यमंत्री का कहना है कि जातिगत जनगणना जरूरी है। इससे यह जानकारी हो जाएगी कि किन-किन जातियों में कितनी-कितनी आबादी है। इसके बाद पिछड़ी जातियों के लिए उनकी आबादी के अनुसार, योजनाएं चलाई जा सकेंगी। आबादी के अनुरूप उस जाति विशेष के उत्थान के लिए सरकार विशेष तौर पर ध्यान दे सकेगी। जातिगत जनगणना पूरी होने के बाद यह भी पता चलेगा कि कौन गरीब है?

ध्यान देने की बात है कि जाति आधारित जनगणना का बहुत मुखर विरोध कहीं नहीं हुआ है। अब सभी राज्य इसे कराने पर विचार कर रहे हैं। राज्यों में यह हो जाएगा, तो स्वत: राष्ट्रीय स्तर पर आंकड़े सामने आ जाएंगे। इसी तरह, बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ऐसी जनगणना पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि इससे एक वैज्ञानिक डाटा सामने आएगा और पता चलेगा कि कौन गरीब है। इसके बाद हाशिए पर छूटे लोगों के विकास के लिए योजनाएं बनाई जा सकेंगी।

यह बताते चलें कि 1931 में हुई जातिगत जनगणना में बिहार में ब्राह्मण 4.7 प्रतिशत, भूमिहार 2.9 प्रतिशत, राजपूत 4.2, कायस्थ 1.2 और बनिया 0.6 प्रतिशत पाए गए थे। उस समय बनिया को ऊंची जातियों में ही रखा गया था और इनका कुल औसत 13.6 प्रतिशत था। पिछड़ी जातियों में यादव 11 प्रतिशत, कुर्मी 3.6 और कोइरी 4.1 प्रतिशत थे। अति-पिछड़ी जातियों की कुल आबादी 32 प्रतिशत थी। 2011 की जातिगत जनगणना के आंकड़े हालांकि जारी नहीं हुए, लेकिन माना जाता है कि उसमें बिहार में मुसलमानों की संख्या 16.9 प्रतिशत, यादव 14.4, कुशवाहा 6.4, कुर्मी 4, ब्राह्मण 4, भूमिहार 6, राजपूत 3 और कायस्थों की आबादी एक प्रतिशत पाई गई है।

अगर ये आंकड़े सही हैं, तो आबादी के जातिगत समीकरण में विगत दशकों में बड़ा बदलाव पहले ही आ चुका है। आबादी का जातिगत समीकरण बदलने का बड़ा कारण पलायन भी हो सकता है। बहरहाल, बिहार के फैसले की चर्चा पूरे देश में है। दिलचस्पी के साथ लोग अंतिम आंकड़ों का इंतजार करेंगे। बिहार सरकार ने जातिगत जनगणना के लिए समय सीमा भी तय कर ली है। फरवरी 2023 तक इस काम को अंजाम दे दिया जाएगा। जनगणना से जुड़े जो बाकी सवाल हैं, उनका हल भी सामने आएगा। अगर जाति आधारित जनगणना कराकर इसकी रिपोर्ट जारी करने में बिहार सफल रहा, तो वह 91 साल बाद ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य हो जाएगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

किशोरों में बढ़ती हिंसा और लत से भी फायदा कूटता बाजार

तुलसी जयकुमार, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र

अबाध संचार और संदेशों के तत्काल आदान-प्रदान वाले इस दौर में टेक्सास (अमेरिका) के स्कूल की घटना गोपनीयता बनाम सुरक्षा संबंधी मसले और सोशल मीडिया की नैतिक जिम्मेदारियों की तरफ हमारा ध्यान खींचती है। बच्चों पर फायरिंग करने वाला सल्वाडोर रामोस सोशल मीडिया के जरिये एक जर्मन किशोरी के संपर्क में था, जहां उसके व्यक्तित्व के डरावने पहलुओं का पता चलता है। बताया जाता है, यौन हिंसा व स्कूल में गोलीबारी की धमकी देने से पहले उसने काफी वक्त सोशल मीडिया पर बिताया था।

देखा जाए, तो यह मसला एक हद तक बच्चों व किशोरों में सोशल मीडिया की आदत और इस आयु-वर्ग से जुड़े हितधारक समूहों की जिम्मेदारी से जुड़ा है। सोशल मीडिया के इस्तेमाल और पोस्ट पर 'लाइक' अथवा 'कमेंट' उसी तरह दिमाग को प्रभावित करते हैं, जिस तरह से अच्छा खाना और नशीली दवाओं के सेवन के बाद डोपामाइन (मस्तिष्क में बनने वाला न्यूरोट्रांसमीटर) प्रभावित करती है। समय के साथ, मानो डोपामाइन ट्रेडमिल बन जाता है। विशेषज्ञ डोपामाइन की कमी से जुड़ी बीमारी का भी जिक्र करते हैं, जिनमें व्यक्ति दिमागी तौर पर परेशान और बदहवास हो जाता है। सोशल मीडिया से प्रेरित यह दिमागी हालत खासतौर से नौजवानों में कई समस्याओं (विशेषकर मानसिक रोग) की वजह बनती है। कई अध्ययनों ने इस आयु-वर्ग में आत्महत्या के बढ़ते खतरे के अलावा अवसाद, चिड़चिड़ापन, आक्रामकता व असामाजिक व्यवहार के लिए सोशल मीडिया को जिम्मेदार ठहराया है। सूचना यह भी है कि अपनी दादी को गोली मारने से पहले फोन बिल के भुगतान को लेकर रामोस की उनके साथ थोड़ी कहासुनी हुई थी। इसके बाद उसने जर्मन किशोरी को मैसेज भेजकर अपनी इस 'उपलब्धि' की डींग मारी, साथ ही इशारों-इशारों में बताया भी था कि वह स्कूल में फायरिंग करने जा रहा है।

सवाल उठता है कि क्या इसे रोका जा सकता था? नौजवानों को तैयार करने में स्कूल और कॉलेज अहम भूमिका निभाते हैं। वहां किसी भी तरह की बदमाशी और रैगिंग के खिलाफ सख्त मानदंड अपनाने की जरूरत है। शैक्षणिक संस्थानों को दक्ष पेशेवरों की भी मदद लेनी चाहिए, जो मानसिक समस्या से जूझ रहे बच्चों की पहचान कर सकें और उनकी हरसंभव मदद कर सकें। सोशल मीडिया के खतरनाक व्यवहार को पहचाने के लिए बच्चों और किशोरों को खास प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उनको यह पता होना चाहिए कि ऐसे मामलों में उन्हें कब और किसे क्या-क्या बताना है? टेक्सास फायरिंग की घटना फेसबुक, इंस्टाग्राम, एप्पल, गूगल जैसी सोशल मीडिया व डिजिटल प्लेटफॉर्म की तमाम कंपनियों को भी उनकी नैतिक जवाबदेही के लिए कठघरे में खड़ा करती है। एक तरफ जहां रामोस के मैसेज को फेसबुक द्वारा रोकने और उसे उचित अधिकारियों के संज्ञान में लाने को लेकर बहस चल रही है, तो वहीं खबर यह भी है कि फेसबुक की नई कंपनी मेटा अगले साल फेसबुक और इंस्टाग्राम के मैसेजिंग सिस्टम के लिए एंड-टु-एंड एंक्रिप्शन (इसमें संदेश भेजने वाला और पाने वाला के अतिरिक्त कोई तीसरा संदेश नहीं पढ़ सकता) शुरू करने की योजना बना रही है। इससे बेशक उपभोक्ताओं की निजता की सुरक्षा बढ़ जाएगी, लेकिन उन संदेशों को समझना व पकड़ना असंभव हो जाएगा, जो मानव जीवन और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा होंगे।

सोशल मीडिया की कंपनियों को बड़े नेटवर्क का फायदा होता है और वे इस नेटवर्क को विज्ञापनों से मिलने वाले राजस्व में ढाल लेती हैं। इसने ऐसी कंपनियों को गलत कारणों से सुर्खियों में ला दिया है, जिसके कारण इनके नियमन की मांग भी उठती रही हैं। साल 2021 में मेटा ने विज्ञापन राजस्व से 114.9 अरब डॉलर कमाए, जो 2020 के मुकाबले 36.5 फीसदी ज्यादा थे। फेसबुक की वैश्विक कमाई में 97.9 फीसदी हिस्सा इन्हीं विज्ञापनों से आया था, जो मेटा में इसके महत्व को दर्शाता है।

यहां मैं इससे इनकार नहीं कर रही कि अमेरिका के बंदूक कानूनों पर गंभीर बहस होनी चाहिए, लेकिन स्कूल फायरिंग की इस घटना में शैक्षणिक संस्थान और सोशल मीडिया की कंपनियां भी बराबर की जिम्मेदार हैं। यह वक्त ऐसी कंपनियों के उस कारोबारी मॉडल के बारे में सोचने का है, जिसमें संकीर्ण व्यावसायिक हितों के लिए विशेषकर नौजवानों को लती बनाकर फायदा कूटा जाता है। साथ ही, शैक्षणिक संस्थानों को भी छात्र समूहों को अधिक मजबूत, जिम्मेदार और उत्तरदायी बनाना होगा। साफ है, टेक्सास स्कूल में फायरिंग की घटना सिर्फ अमेरिकी नहीं, हर समाज से संजीदगी की मांग करती है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

माहौल बदले,
मौसम बदले,
जीता जागता,
इंसान वही हैं जो
प्यार की बौछार,
सब पर कर दें।

-अंजली जैन
7024460938

नगाड़े बजाने वाले ही मड़े मुर्दे उखाड़ेंगे

हरिशंकर व्यास

इस समय देश में निकट अतीत से लेकर मध्यकालीन भारत तक के इतिहास की खुदाई का काम चल रहा है। औरंगजेब के जमाने में हुई ज्यादतियों का बदला लेने का अभियान चल रहा है तो 20 साल पहले रेलवे में हुई 12 भर्तियों में कथित गड़बड़ियों के लिए तब के रेल मंत्री के पूरे परिवार पर केंद्रीय एजेंसियों के छापे पड़ रहे हैं। शुक्रवार को देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि थी और उससे एक दिन पहले मध्य प्रदेश के सतना में उनकी प्रतिमा के अपमान का वीडियो वायरल हुआ। सोचें, इतिहास के गड़े मुर्दे उखाड़ने, दशकों पुराने मामले खोल कर विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई करने या अपने राजनीतिक-वैचारिक विरोधियों की प्रतिमाओं से दुर्व्यवहार की जो परंपरा शुरू हुई है वह कहीं पर समाप्त होगी क्या कोई इस बात की गारंटी दे सकता है कि आज जो तख्तनशीन हैं वे कभी इस लंगूरी परंपरा का शिकार नहीं होंगे

नेहरू आज इस लंगूरी परंपरा का शिकार हैं, जबकि उनके प्रधानमंत्री रहते ही देश का वैचारिक मानस बनाने की जिम्मेदारी वामपंथी बुद्धिजीवियों ने संभाल ली थी। वे पूरी ईमानदारी से नेहरू के आइडिया ऑफ इंडिया को स्थापित करते रहे थे। इस काम में लगे ज्यादातर लोगों की वैचारिक ईमानदारी असंदिग्ध थी और राजनीतिक निष्ठा भी कमोबेश मजबूत थी। इसके बावजूद इतिहास के अध्याय बदले जा रहे हैं, मूर्तियां गिराई जा रही हैं, स्मारक हटाए जा रहे हैं तो जिन लोगों ने सत्ता संभालने के बाद वैचारिक रूप से निष्ठावान और राजनीतिक रूप से प्रतिबद्ध लोगों को दूर किया और औसत या मंद बुद्धि वाले और निजी तौर पर नेता के प्रति निष्ठावान लोगों को आगे बढ़ाया उनके साथ क्या होगा इस सरकार ने तो देश का वैचारिक मानस बनाने का जिम्मा भी ऐसे लोगों को सौंपा है, जिनका अपना मानस स्पष्ट नहीं है। राजनीतिक रूप से ऐसे लोगों को आगे बढ़ाया गया है, जो या तो बौद्धिक मामलों में पैदल हैं या दूसरी पार्टियों से आए हैं। ऐसे लोगों की भरमार है, जो कुछ दिन पहले तक राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ और भाजपा की विचारधारा का विरोध थे। हिंदू आतंकवाद का शब्द गढ़ने और प्रचारित करने वाले पूर्व नौकरशाह भी केंद्र में मंत्री हैं। सो जब समय बदलेगा तब ये लोग क्या करेंगे, यह कहने की जरूरत नहीं है।

इसी तरह आज सरकार विरोधी नेताओं को भ्रष्ट साबित करने के लिए गड़े मुर्दे उखाड़ रही है। यह नई परंपरा है कि 15-20 साल पहले का मुद्दा निकाल कर किसी राजनीतिक विरोधी पर छापे मारे जाएं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX ITR फाईल बनवायें मात्र 500/- में

TDS, GST, TAX Expert

सम्पर्क- शेखर गुप्ता

9300755544

onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

राजीव गांधी किसान न्याय योजना ने गन्ना उत्पादक किसानों को दिखाई आर्थिक उन्नति की राह

भोरमदेव शक्कर कारखाना औद्योगिक विकास की दिशा में छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण उपलब्धि

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा न केवल औद्योगिक विकास की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन की महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि इस क्षेत्र के कृषकों के आर्थिक उत्थान के लिए भी एक वरदान है। छत्तीसगढ़ की जलवायु विशेषताओं से परिपूर्ण कबीरधाम जिले में भी परंपरागत रूप से धान की खेती की जाती रही है।

0 शक्कर निर्यात में है भोरमदेव कारखाने की अहम भूमिका

0 चार वर्षो में किसानों को 324.27 करोड़ रूपए का भुगतान

0 चार वर्षो में 13.34 लाख क्विंटल शक्कर का उत्पादन

परन्तु भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा की स्थापना ने फसल चक्र में परिवर्तन हुआ। शासन की पहल से कृषकों के आर्थिक उन्निति और गन्ना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गन्ना का समर्थन मूल्य बढ़ाकर 355 रूपए प्रति क्विंटल किया गया। जिससे अनियमित एवं निम्न वर्षा के विरूद्ध कृषकों को संबल एवं आर्थिक सुदृढ़ता प्रदान हुई और जिले में गन्ने के उत्पादन का रकबा बढ़ते गया। जिससे किसानों को अधिक लाभ हो रहा है। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना एक ओर जहां किसानों से गन्ना खरीदी कर उन्हें आर्थिक उन्नति की दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग कर रहा है, वहीं दूसरी ओर शक्कर बनाने के बाद बचे हुए अवशेष से बिजली का उत्पादन किया जा रहा है।

कबीरधाम जिला में स्थापित भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना देश में शक्कर की आपूर्ति करने के साथ ही विदेशों में भी शक्कर का निर्यात कर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जिसके फ्लस्वरूप छत्तीसगढ़ को विदेशों में भी पहचान मिली है। कारखाने की स्थापना में पूंजीगत संसाधन उपलब्ध कराने वाले 16 हजार 922 कृषकों के अलावा मण्डी बोर्ड, सहकारी समितियां एवं छत्तीसगढ़ शासन इस कारखाने के सदस्य हैं, जिनके द्वारा 28.13 करोड़ अंशपूजी विनियोजित की गई थी, जो वर्तमान में बढ़कर 35.67 करोड़ रूपए हो चुकी है। जिससे राज्य के घरेलू उत्पाद में वृद्धि सुनिश्चित होने के साथ ही लगभग एक हजार लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध हुआ है। गन्ना बोआई, गन्ना कटाई, गन्ना ढुलाई एवं अन्य कार्य के लिए अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है, कारखाने में उत्पन्न रोजगार के अवसर ने प्रत्यक्ष रूप से रोजगार के लिए शासन पर निर्भरता को कम किया है।

प्रबंध संचालक भूपेन्द्र कुमार ठाकुर ने बताया कि कारखाना स्थापना के प्रारंभिक काल से ही प्रतिवर्ष करोड़ो रूपए के शक्कर, मोलासिस एवं बगास का उत्पादन किया जाता है, जो संस्था के आय के साथ ही राज्य के आय का एक महत्पूर्ण अंश है। भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा एक लाभकारी सहकारी संस्था के रूप में कार्यरत है। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना में वर्ष 2018-19 से वर्ष 2021-22 में 45 हजार 200 कृषक लाभान्वित हुए है। पिछले चार वर्षो में 12 लाख 73 हजार 766.257 टन गन्ना की खरीदी एवं पेराई की गई है, जिससे 324.27 करोड़ रूपए कृषकों को भुगतान किया गया है।

6 मेगावाट को-जन पावर प्लांट

भोरमदेव शक्कर कारखाना द्वारा कारखाना परिसर में 6 मेगावाट को-जन पॉवर प्लांट संचालित किया जा रहा है। को-जन पावर प्लांट की स्थापना होने से गन्ने के पेराई के बाद बचने वाले अवशेष का उपयोग बिजली उत्पादन में किया जा रहा है। इससे स्वयं के लिए बिजली की आपूर्ति भी की जा रही है।

कई राष्ट्रीय अवार्ड मिले

भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा को रिकार्ड समय में कारखाने की स्थापना करने तथा बेहतर संचालन करने के कारण सहकारिता के सर्वोच्च अवार्ड ठाकुर प्यारेलाल अवार्ड के साथ ही भारत गौरव अवार्ड, राष्ट्रीय रत्न अवार्ड, इंदिरा गांधी सद्भावना अवार्ड, इंटरनेशनल गोल्ड मिलेनियम अवार्ड तथा क्वालिटी अवार्ड से सम्मानित।

ईथेनॉल प्लांट की स्थापना

भोरमदेव शक्कर कारखाना में सह-उत्पाद शीरा पर आधारित ईथेनॉल प्लांट जिसकी क्षमता 80 के. एल.पी.डी. पी.पीपी मोड़ पर निर्माण कार्य प्रगति पर है। ईथेनॉल प्लांट की स्थापना होने से गन्ना के सह उत्पाद शीरा का उपयोग किया जा सकेगा। इसकी स्थापना से रोजगार के क्षेत्र में वृद्धि होगी। यहां अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा।

पीडीएस में शक्कर का विक्रय

भोरमदेव शक्कर कारखाना द्वारा राज्य शासन के निर्णयानुसार लोकहित में राशनकार्डधारी सदस्यों को शक्कर विक्रय के लिए नागरिक आपूर्ति निगम को शक्कर विक्रय किया जा रहा है। गन्ना उत्पादक कृषकों को गन्ना मूल्य के साथ-साथ अतिरिक्त राशि का भुगतान किया जा रहा है। क्षेत्र के हजारों लोगों को रोजगार दिया जा रहा है।

खास खबर

वर्षो से काबिज वन भूमि का मालिकाना हक मिलने से वनवासी परिवारों की बदली जिन्दगी

कोरबा । कलेक्टर रानू साहू की पहल से जिले में आयोजित किए जा रहे सरकार तुंहर द्वार शिविरों से जिलेवासी लाभान्वित हो रहे है। शिविर के माध्यम से लोगो को राशन, पेंशन, किसान किताब, वन अधिकार पट्टा, राजस्व प्रकरणों के निराकरण आदि सुविधाएं शिविर स्थल में ही प्राप्त हो जा रही है। जिससे नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर काटने से मुक्ति मिल रही है। विकासखण्ड कोरबा के ग्राम कोरकोमा में 26 मई को आयोजित सरकार तुंहर द्वार शिविर 43 वनवासियों की जिन्दगी में सकारात्मक परिवर्तन लेकर आया। शिविर में 43 वनवासियों को पुरखो द्वारा वर्षो से काबिज वन भूमि का मालिकाना हक मिल गया। पूर्वजो द्वारा काबिज जमीन का मालिकाना हक मिलने से वनवासी परिवारों की जिन्दगी बदल गयी।

पेंशन प्रकरणों के निराकरण पर ध्यान देवें अधिकारी - कलेक्टर

गरियाबंद। कलेक्टर नम्रता गांधी ने जिले के समस्त आहरण संवितरण अधिकारी को पेंशन प्रकरणों के परीक्षण उपरांत ही संभागीय संयुक्त संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन रायपुर को प्रकरण प्रेषित करने कहा है। कलेक्टर द्वारा समस्त आहरण संवितरण अधिकारी को जारी परिपत्र में कहा गया है कि ऑनलाईन प्रकरण प्रेषित के पूर्व न मांग, न जांच, न घटना प्रमाण पत्र की जांच की सक्षम अधिकारी के द्वारा अवलोकन/परीक्षण उपरांत ही प्रेषित किया जाये। कुछ कार्यालयों विशेषकर खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय गरियाबंद द्वारा बिना जांच किये प्रकरणों का प्रेषण किया गया है। जो उचित नहीं है। इस परिपेक्ष्य में सभी कार्यालय को सुनिश्चित करने कहा गया है कि पेंशन प्रकरणों में आवश्यक छानबीन व समुचित दस्तावेजों के पूर्ण होने के पश्चात ही उच्च कार्यालय को प्रेषित किया जाए, जिससे आपत्ति आदि की स्थिति निर्मित न हो। संभागीय संयुक्त संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन रायपुर को प्रेषित कर की गई।

सरकार ऑनलाइन फार्मेसी व्यापार को बनाएगी सरल - मनसुख मंडाविया

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर।कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने बताया कि केंद्र सरकार ऑनलाइन पोर्टलों के माध्यम से दवाओं के वितरण और बिक्री में ऑनलाइन फार्मेसियों द्वारा की गई।

विकृतियों और घोर गड़बड़ी से पूरी तरह से अवगत है और यह मामला सरकार के समक्ष सक्रिय रूप से विचाराधीन तथा ऑनलाइन फ़र्मेसी के व्यापार को सुव्यवस्थित करने के लिए सरकार जल्द ही आवश्यक कदम उठाएगी और किसी को भी क़ानून एवं नियमों से खेलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने यह बात कन्फ़ेडरेशन ऑफ़ऑल इंडिया ट्रेडस् (कैट) के एक प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए अपने नई दिल्ली स्थित कार्यालय में एक मुलाक़ात के दौरान कही ।

कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने बताया कि कैट ने कहा कि श्री मंडाविया ने प्रतिनिधिमंडल को धैर्यपूर्वक सुना और ऑनलाइन फार्मेसी कंपनियों के व्यावसायिक तौर-तरीकों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि देश भर के छोटे केमिस्टों के वर्तमान तंत्र जो कि देश भर में अतुलनीय सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, को बाधित नहीं होने दिया जाएगा।

इससे पहले कैट ने श्री मंडाविया को एक ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि भारत में ऑनलाइन फ़र्मेसी ड्रग एंड कॉस्मेटिक्स अधिनियम, 1940 और इससे जुड़े नियमों के अंतर्गत काम करती है, जिसका घोर उल्लंघन ऑनलाइन फ़र्मेसी कम्पनियाँ कर रही हैं, जिससे कारण से देश में एक करोड़ से अधिक छोटी केमिस्ट दुकानों के व्यवसाय को काफी नुकसान हुआ है। श्री पारवानी एवं दोशी ने आगे कहा कि ऑनलाइन फ़र्मेसियों उनके द्वारा बेची जाने वाली दवाओं की कोई ज़िम्मेदारी नहीं लेती है और नकली दवाओं के मामले में, वे गलत तरीके से सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 का आश्रय लेते हैं, जो बाज़ार को मध्यस्थ के रूप में वर्गीकृत करके किसी भी कारवाई से सुरक्षा प्रदान करता है जबकि यह नियम क़ायदे से ऑनलाइन फ़र्मेसीज़ पर लागू नहीं होता है।

कैट ने श्री मंडाविया से उनके मंत्रालय की अधिसूचना जी.एस.आर. 817 (ई) दिनांक 28 अगस्त, 2018 को ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स, 1945 की ओर किया जिसके ज़रिए उक्त क़ानून में संशोधन करने का प्रावधान किया गया । इन प्रस्तावों को अधिसूचित किया जाना बाकी है। कैट ने उन प्रस्तावों में कुछ पर संशोधन करने का आग्रह भी किया है। श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने यह भी कहा कि एक ऐसे क्षेत्र में जो सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य से संबंधित है, यह अजीब बात है कि एक बिना लाइसेंस वाले ऑपरेटर को बिना किसी जिम्मेदारी के काम करने की अनुमति कैसे दी जा सकती है।

उपरोक्त के अलावा यह आवश्यक है कि केवल उन्हीं लोगों को ई-फार्मेसी के रूप में संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है जिनके पास अपनी स्वयं की इन्वेंट्री है और जिन्होंने अधिनियम और संशोधित नियमों के तहत लाइसेंस प्राप्त किया है। इसके अलावा, उन्हें यह सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है कि अधिनियम के तहत लाइसेंस प्राप्त परिसर तथा पंजीकृत योग्य फार्मासिस्ट द्वारा ही दवाओं का वितरण किया जाए।

भिलाई चरोदा निगम क्षेत्र के वार्ड 20 में हुआ जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई 3। नगर पालिक निगम भिलाई-चरौदा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-20, पंचशील नगर चरौदा में दिनांक 02-06-2022 को कुल चार वार्डो की समस्या ज्ञात करने हेतु जन समस्या निवारण शिविर आयोजित रहा। मुख्य रूप से क्षेत्र के लोगों द्वारा अपने वार्ड में विकास कार्य कराये जाने बढ चढ़कर आवेदन प्रस्तुत किये जा रहे है। ऋण पुस्तिका प्रदाय, 2- शौचालय /मूत्रालय निमार्ण, 3- नाला सीमेंटीकरण, 4- आदर्श नगर में सड़क नाली निर्माण, पानी सप्लाई, 5- पंचशील नगर में नाली निकासी, सडक बत्ती सुधार, 6- पंचशील नगर में खेलकूद हेतु एक क्रीड़ा प्रांगण बनाये जाने बाबत।

उल्लेख करने योग्य विषय यह है कि विगत दो दिनो के जनसमस्या निवारण शिविर में अपेक्षाकृत राशन कार्ड, पेंशन, के आवेदन प्राप्त नहीं हुए है।

महिलाओं को महिला सुरक्षा एप अभिव्यक्ति की दी गई जानकारी

श्रीकंचपथ न्यूज

धमतरी। पुलिस अधीक्षक धमतरी प्रशांत ठाकुर के निर्देश अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धमतरी श्रीमती निवेदिता पॉल के मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती सारिका वैद्य (आई.यू.सी.ए.डब्ल्यू.) के नेतृत्व में शक्ति टीम द्वारा ग्राम कोर्रा में किया गया अभिव्यक्ति महिला जागरूकता अभियान।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए अभिव्यक्ति एप छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग द्वारा तैयार किया गया है। इस अभिव्यक्ति महिला सुरक्षा एप के माध्यम से महिलाओं को तत्काल सहायता मिलेगी।

यूजर की लोकेशन के हिसाब से एसओएस बटन दबाते ही यूजर के पास त्वरित पुलिस सहायता पहुंचेगी। इसके अलावा इस एप के माध्यम से महिलाएं कहीं से भी अपनी शिकायत पुलिस के पास दर्ज करा सकेंगी। शक्ति टीम ने महिलाओं को बताया कि वे महिला सुरक्षा एप से तुरंत पुलिस की सहायता कैसे प्राप्त कर सकते हैं। अभिव्यक्ति महिला सुरक्षा एप के बारे में प्रचार-प्रसार एवं उसके इस्तेमाल को लेकर धमतरी पुलिस की शक्ति टीम ग्राम कोर्रा पहुंची, जहाँ के महिलाओं के मौजूदगी में इसके बारे में विस्तृत जानकारी से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि इस एप के इस्तमाल के लिए सबसे पहले महिला-बालिकाओं को अपने मोबाइल फोन में प्ले स्टोर से अभिव्यक्ति महिला सुरक्षाा एप डाउनलोड करना है। इसमें उन्हें साइन इन करना है, अपना मोबाइल नंबर डालना है, ओटीपी आएगा उसे एप में डालना है, केवायसी अपडेट करना है, जिसके बाद महिलाएं कभी भी इस एप के माध्यम से अपनी शिकायत अपलोड कर तुरंत पुलिस की सहायता प्राप्त कर सकती है। शक्ति टीम द्वारा आज ग्राम कोर्रा के महिलाओं को सुरक्षा के लिए बने ''अभिव्यक्ति'' एप के बारे में जानकारी देते हुए एप के इस्तेमाल के बारे में अवगत कराया।

धमतरी पुलिस की शक्ति टीम ने धमतरी के भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर महिलाओं को छत्तीसगढ़ पुलिस की अभिव्यक्ति एप के बारे में अवगत कराया। शक्ति टीम के महिला पुलिसकर्मी ने महिलाओं को कहा कि कहीं आने-जाने के दौरान किसी प्रकार की समस्या अथवा परेशानी होने पर एप का इस्तेमाल कर पुलिस को अवगत कराए यथासंभव पुलिस जल्द आप तक पहुंचेगी और पुलिस सहायता उपलब्ध होगी।

इस दौरान शक्ति टीम से शक्ति से मआर. तनुजा कंवर,मआर.लक्ष्मी नागवंशी, मआर.केशर मंडावी सहित ग्राम कोर्रा के महिलाएं अधिक संख्या में उपस्थित रहे।

शहर में फिर बढ़ रहे है पीलिया के मरीज

कल्याण सेवा जनजागृति संगठन के सुमन शील शंकराचार्य अस्पताल पहुंच पीलिया पीड़ितों से भेटकर हालचाल जाना

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई। पीलिया ने भिलाई नगर निगम क्षेत्र में दस्तक दे दी है , चिकित्सालय में इन दिनों फिर से पीलिया के मरीजों की संख्या में जोरदार इफाजा होने लगा है। शहर के आसपास के इलाकों से लगातार मरीजों के पहुंचने की जानकारी मिल रही है। जिनमें से एक गंभीर मरीज का निजी अस्पताल शंकराचार्य जुनवानी के तृतीय तल यूनिट 4 बेड नंबर 8 में 9 दिनों से भर्ती कैंप 2 संतोषी पारा निवासी रामपत पासवान का इलाज जारी है। गंदा पानी पीने तथा सफाई की अव्यवस्था से लोग पीलिया के शिकार होने लगे हैं। जिसकी जानकारी मिलने के बाद पीलिया ग्रस्त हुए मरीजों से मिलने कल्याण सेवा जनजागृति संगठन के प्रदेशाध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुमन शील शंकराचार्य अस्पताल पहुंचे। उन्होंने पीलिया पीड़ितों से भेटकर हालचाल जाना और चिकित्सकों से उनके इलाज से संबंधित जानकारी ली। मरीजों से मिलने के उपरांत सुमन शील ने बताया कि शिवाजी नगर तथा संतोषी पारा कैंप 2 क्षेत्र की नालियों से गंदा पानी निकासी का ना होना एवं गंदगी की अव्यवस्था के अलावा भैंस खटाल की गंदगी के चलते आए दिन वहां के स्थानीय लोग बीमार पड़ते हैं जिसकी शिकायत निगम में कई बार किया गया है पर निगम के अधिकारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियो द्वारा अनदेखा कर खानापूर्ति के नाम पर सफाई करने के कारण क्षेत्र में सफाई की अव्यवस्था फैली हुई है और केवल संतोषी पारा एवं शिवाजीनगर ही नहीं भिलाई के कई वार्ड 38 सोनिया नगर भी प्रभावित है तथा क्षेत्र में टैंकर से हो रहे पानी सप्लाई एवं नल से आ रहे गंदा पानी का खामियाजा भी आयदिन जनता को भुगतना पड़ रहा है । वहीं पीलिया के मरीज मिलने की जानकारी सामने आने के बाद सामाजिक कार्यकर्ता सुमन शील ने जिला कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त से मिलकर पानी की जांच के लिए सप्लाई किए जा रहे पानी का सैम्पल लेने तथा बरसात से पहले सभी क्षेत्र की नालियों का सही ढंग से सफाई करवाने एवं पीलिया प्रभावित क्षेत्र में नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ शिविर लगाकर समस्त लोगों की जांच कराने की मांग की।

नन्हे बच्चों के चेहरों पर आई सुपोषण की मुस्कान

श्रीकंचपथ न्यूज

राजनांदगांव। नन्हें बच्चों के चेहरों पर सुपोषण की मुस्कान आई है। जिले में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के अंतर्गत प्रभावी कार्य किए जा रहे है। पोषण पुनर्वास केन्द्र डोंगरगढ़, में 11 माह की नन्ही प्रियांशी को भर्ती किया गया। तब उसका वजन 5.54 किलोग्राम था। जहां उसके स्वास्थ्य की विशेष देखभाल करते हुए पौष्टिक भोजन दिया गया। वहीं जरूरी दवाईयां भी दी गई। जिसका सुखद परिणाम यह रहा की बच्ची का वजन 6.38 किलोग्राम हो गया। 15 दिन में प्रियांशी के वजन में 15 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई। 2 वर्षीय नन्हे छत्तेश्वर विक्के का वजन एनआरसी में भर्ती के समय 7.5 किलोग्राम था। जो 15 दिनों में 8.6 किलोग्राम बढ़ा। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी के निर्देशन में जिले के पोषण पुनर्वास केन्द्र में गंभीर कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है और उन्हें पौष्टिक आहार दिया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अभी पोषण पुनर्वास केन्द्र 61 कुपोषित बच्चों को भर्ती किया गया है। जिनमें पोषण पुनर्वास केन्द्र राजनांदगांव में 8, पोषण पुनर्वास केन्द्र डोंगरगढ़ में 21, पोषण पुनर्वास केन्द्र गंडई में 13 एवं सिविल हॉस्पिटल खैरागढ़ में 12 कुपोषित बच्चों को भर्ती किया गया है।

Since 1972

CROWN® - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000

Arhum Electronics 9926100315

A Leela Electronics 9425507772

Reena Electronics 9329132299

Shree Electronics 7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics 9827183839

Rohit Electronics 94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

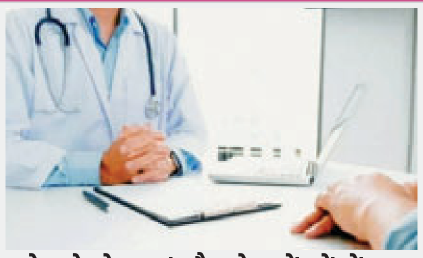

प्रदेश के हेल्थ एंड वैलनेस सेंटरों में 6 जून से 11 जून के मध्य मनाया जाएगा टेलीमेडिसिन सप्ताह

विशेषज्ञ चिकित्सक देंगे सलाह

रायपुर। प्रदेश में संचालित सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में आम जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 6 जून से 11 जून तक टेलीमेडिसिन सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी डॉ सुरेन्द्र पामभोई ने बताया की टेलीमेडिसिन के माध्यम से चिकित्सा अधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों की बीमारियों की स्क्रीनिंग और इलाज उपलब्ध कराया जाएगा द्य उन्होंने बताया की 6 जून को सामान्य और मानसिक रोगों से ग्रसित लोगों को उपचार एवं सलाह प्रदान की जाएगा।

इसी तरह 7 जून को (एनसीडी) गैर संचारी रोग संबंधी रोगों का उपचार एवं सलाह, 8 जून को मातृत्व स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन संबंधित उपचार एवं सलाह, 9 जून को गंभीर संक्रमण रोग एवं नाक,कान,गला व नेत्र रोग संबंधी जांच और सर्जरी संबंधित सलाह विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा दी जाएगी जबकि 10 जून को वृद्धावस्था संबंधी उपचार एवं सलाह, 11 जून को किशोर स्वास्थ्य, दंत रोग संबंधी उपचार एवं सलाह विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की जाएगी। डॉ पामभोई ने बताया कि हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में सुबह 11 से शाम 5 बजे तक यह सुविधा उपलब्ध होगी। टेलीमेडिसिन के माध्यम से की गई ओपीडी की मॉनिटरिंग नियमित रूप से जिला एवं राज्य स्तर पर की जाएगी। वर्तमान में हेल्थ एंड वैलनेस सेंटरों में 12 प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाएँ आम लोगों को उपलब्ध कराई जा रही है।

आपदा प्रबंधन का एक्शन प्लान रहे तैयारः मुख्य सचिव जैन

बाढ़ और अतिवृष्टि की स्थिति से निपटने उच्च स्तरीय बाढ़ नियंत्रण समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने कहा है कि आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए अतिवृष्टि और बाढ़ से निपटने के लिए पहले से ही सभी आवश्यक तैयारियां कर ली जाए। जिलों में आपदा प्रबंधन हेतु एक्शन प्लान तैयार कर ली जाए। उन्होंने कहा है कि ऐसे क्षेत्र जहां हर वर्ष बाढ़ आने की संभावना होती है, वहां खाद्यान्न, पेयजल एवं अन्य राहत सामग्रियों का भण्डारण कर लिया जाए। बाढ़, अतिवृष्टि जैसी आपदा से बचाव के लिए मौसम संबंधी पूर्वानुमानों की जानकारी लोगों को दी जाए। मुख्य सचिव जैन ने मंत्रालय महानदी भवन में उच्च स्तरीय बाढ़ नियंत्रण समिति की बैठक को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्य सचिव जैन ने कहा कि संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविरों के संचालन के लिए सभी जरूरी तैयारी कर ली जाए। इन क्षेत्रों की सतत रूप से निगरानी की जाए। आवश्यकता पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने व ठहराने के लिए कैम्प आदि की सम्पूर्ण योजना तैयार कर ली जाए। बाढ़ से बचाव संबंधी जो भी उपकरण जिलों में उपलब्ध हो उन्हें दुरस्त कर लिया जाए। जिला स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24 घण्टे चालू रहे। पहुंच विहीन क्षेत्रों में जहां बाढ़ की स्थिति में पहुंचना संभव नहीं हो, वहां पर्याप्त मात्रा में खाद्य सामग्री, नमक, केरोसीन, जीवन रक्षक दवाईयां आदि पहले से ही संग्रहित करें। पेयजल स्त्रोतों कुंओं, हैण्डपम्प आदि का जल शुद्धिकरण कर लिया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि जिन जिलों में बड़ी नदी बहती है नदी के जल स्तर पर बराबर नजर रखें और जलस्तर के खतरे के निशान पर पहुंचने की संभावना होने पर इसकी पूर्व सूचना राज्य स्तरीय कन्ट्रोल रूम को दी जाए। बड़े जलाशयों पर कंट्रोल रूम स्थापित किए जाए। जलाशयों से जल छोड़ने पर विशेष सावधानी बरती जाए। जलाशयों में नियमित रूप से निकासी के प्रयास किये जायें ताकि बाढ़ की स्थिति निर्मित न हो। बांधों का जलस्तर बढ़ने पर जल निकासी हेतु निचले जिलों एवं सीमावर्ती राज्यों को 12 घण्टे पूर्व सूचना दी जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि बाढ़ की स्थिति में संक्रामक बीमारियों की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए चिकित्सा दल का गठन एवं आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं की व्यवस्था की जाए। बाढ़ से क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत के लिए बांस एवं बल्ली की व्यवस्था कर ली जाए। इसी प्रकार फसल क्षति का आंकलन राजस्व, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से की जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति प्रायः नाले व नालियों के अवरूद्ध हो जाने के कारण होती है। नगरीय निकायों के जरिए इनकी वर्षा पूर्व सफाई करा ली जाए। जर्जर भवनों की पहचान कर निवासरत् व्यक्तियों को अन्यत्र बसाये जाने की व्यवस्था की जाए। सड़क आवागमन बाधित न हो इसके लिए पुल-पुलियों मरम्मत की मरम्मत करा ली जाए। बाढ़ के समय दुर्घटनाजन्य स्थानों पर बेरियर आदि की व्यवस्था की जाए।

मुख्य सचिव ने मौसम का पूर्वानुमान जनहानि को रोकने हेतु विभिन्न प्रकार के मोबाईल एप्स जैसे दामिनी एप-गाज के बचाव के लिए और मेघदूत एप-किसानों के बनाए गए हैं। गूगल प्ले स्टोर से इन्हें डाउनलोड किया जा सकता है। प्राकृतिक आपदा एवं बाढ़ से निपटने तथा राहत सहायता पहुंचाने हेतु राज्य स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है जिसका दूरभाष क्रमांक +91-0771-2223471 एवं फैक्स कमांक +91-0771-2223472 है। इसके अतिरिक्त +91-0771-2221242 दूरभाष पर भी संपर्क किया जा सकता है।

बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव रेणु जी पिल्ले, स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव मनिन्दर कौर द्विवेदी, लोक निर्माण एवं जनसम्पर्क सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, ऊर्जा विभाग के सचिव अंकित आनंद, नगरीय प्रशासन विभाग की सचिव अलरमेल मंगई डी., जल संसाधन विभाग के सचिव अन्बलगन पी., राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव एनएनएक्का, खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा, वन विभाग के सचिव प्रेम कुमार, गृह विभाग के सचिव धनंजय देवांगन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव सीआर प्रसन्ना, सहित कृषि, पशुपालन, होम गार्ड, एनडीआरएफ दूरदर्शन, आकाशवाणी, भारतीय रेड क्रास सोसायटी, मौसम विज्ञान केन्द्र एवं बीएसएनएल के अधिकारी मौजूद थे।

सियान जतन क्लीनिक में 10 हजार 110 बुजुर्गों का किया गया इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के आयुर्वेदिक अस्पतालों, आयुष डिस्पेंसरी व आयुष संस्थाओं में प्रत्येक महीने के प्रथम गुरुवार को 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने विशेष सियान जतन क्लीनिक का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में आज 02 जून गुरूवार प्रदेश के सभी 1174 आयुष केंद्रों में आज सियान जतन क्लीनिक का आयोजन किया गया जिसमें दो आयुर्वेदिक महाविद्यालयों के चिकित्सालय, पांच जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय, 22 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, 15 जिला अस्पतालों में संचालित आयुष विंग, 12 पालीक्लिनिक, 695 शासकीय आयुष डिस्पेंसरी वा 423 सहस्थापित (सी.एच,सी/पी.एच.सी) आयुष संस्थाए शामिल हैं, जहां 10 हजार 110 वृद्धजनों का ईलाज किया गया।

आयुष संचालनालय के सहायक संचालक डॉ. विजय साहू ने बताया कि इस विशेष सियान जतन क्लीनिक में वृद्धावस्था में उत्पन्न होने वाले विभिन्न शारीरिक समस्याओं से पीड़ित वृद्धजनों को उपचार प्रदान किया जा रहा है एवं जरुरत होने पर पंचकर्म की सेवाएं भी राज्य के आयुर्वेदिक अस्पतालों प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया की आज रायपुर आयुर्वेदिक कॉलेज चिकित्सालय में आयोजित सियान जतन क्लिनिक में 123 और बिलासपुर के आयुर्वेदिक कॉलेज अस्पताल में 47 बुजुर्गों का उपचार किया गया। दुर्ग जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय में 54, रायगढ़ जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय में 47, बालोद जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय में 86, सरगुजा जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय में 66 और बस्तर जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय में 60 वर्ष से अधिक उम्र के 23 मरीजों का इलाज किया गया। वहीं रायपुर, रायगढ़, बालोद, बिलासपुर, मुंगेली, जांजगीर, कोरबा, धमतरी, महासमुंद, राजनांदगांव, कबीरधाम, सूरजपुर, कोरिया, जशपुर और कांकेर जिले के 22 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर्स में कुल 484, रायपुर, धमतरी, महासमुंद, दुर्ग, कोरबा ,जांजगीर, राजनांदगांव, कवर्धा, सरगुजा, कोरिया, रायगढ़, जशपुर, जगदलपुर, दंतेवाड़ा व कांकेर जिले के अस्पतालों में संचालित आयुष विंग में कुल 367, पालीक्लिनिक नारायणपुर, बीजापुर, जशपुर, राजनंदगांव, कोरिया, कोरबा, कबीरधाम, महासमुंद, धमतरी, कांकेर, दंतेवाडा, जांजगीर में कुल 229 वृद्धजनों, प्रदेश के 695 शासकीय आयुष डिस्पेंसरी में 6478 एवेम सहस्थापित (सीएचसी/पीएचसी) आयुष संस्थाए में 2106 बुजुर्गों को निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया गया।

आकांक्षी जिलों सहित प्रदेश के 12 जिलों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत फोर्टिफाईड चावल का वितरण

उपभोक्ताओं को दें फोर्टिफाईड चावल की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

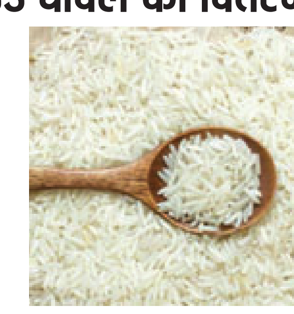

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा मध्यान्ह भोजन तथा पूरक पोषण आहार योजना के तहत दिसम्बर 2021 से प्रदेश के सभी जिलों में ऑयरन, फॉलिक एसिड एवं विटामिन बी-12 युक्त फोर्टिफाईड चावल का वितरण किया जा रहा है। साथ ही मई 2022 से प्रदेश के 10 आकांक्षी जिलों तथा 2 उच्च प्राथमिकता वाले जिलों सहित कुल 12 जिलों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशनकार्डधारी परिवारों को भी फोर्टिफाईड चावल का वितरण किया जा रहा है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि फोर्टिफाईड चावल आयरन, फोलिक एसिड एवं विटामिन बी-12 युक्त होता है, जिसके कारण यह सामान्य अरवा चावल से भिन्न दिखता है और लोगों को भ्रम होता है कि यह प्लास्टिक चावल है, जबकि सामान्य चावल को पौष्टिक और आयरन युक्त बनाने के जो प्रक्रिया अपनाई जाती है, उसके कारण फोर्टिफाईड चावल काफी चिकना दिखता है। गौरतलब है कि राशन दुकानों के माध्यम से फोर्टिफाईड चावल वितरण को लेकर लोगों के मन में यह संदेह है कि यह प्लास्टिक चावल है, जब कि ऐसी स्थिति नहीं है। फोर्टिफाईड चावल सामान्य चावल से बेहतर गुणवत्ता एवं पौष्टिकता से युक्त है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा अपने भेंट-मुलाकात अभियान के दौरान राशन दुकानों का निरीक्षण के दौरान भी उपभोक्ताओं द्वारा भ्रमवश फोर्टिफाईड चावल को प्लास्टिक चावल बताया गया, जबकि राशन दुकानों के माध्यम से गुणवतायुक्त फोर्टिफाईड चावल का वितरण उपभोक्ताओं को किया जा रहा है, ताकि इसके सेवन से पोषण स्तर बेहतर हो सके।

लगभग 12 लाख संग्राहकों द्वारा अब तक 634 करोड़ रूपए से अधिक राशि के तेन्दूपत्ता का हो चुका संग्रहण

आठ वन मंडलों में लक्ष्य का 100 प्रतिशत से अधिक संग्रहण

वनमंत्री अकबर के मार्गदर्शन में तेन्दूपत्ता का संग्रहण लगातार जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चालू वर्ष 2022 के दौरान अब तक 15 लाख 78 हजार 471 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण हो चुका है, जो लक्ष्य का 94 प्रतिशत से अधिक है। इनमें तेन्दूपत्ता संग्राहकों को कुल भुगतान योग्य राशि 634 करोड़ रूपए से अधिक हैं। इसका संग्रहण 11 लाख 58 हजार 222 तेन्दूपत्ता संग्राहकों द्वारा किया गया है। अब तक 08 वन मंडलों सुकमा, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, कवर्धा, मरवाही, धरमजयगढ़, मनेन्द्रगढ़ तथा कोरिया में लक्ष्य का 100 प्रतिशत से अधिक तेन्दूपत्ता का संग्रहण हो चुका है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्कदर्शन में राज्य में तेन्दूपत्ता संग्रहण का कार्य सुचारू रूप से जारी है। राज्य में तेंदूपत्ता संग्रहण से आदिवासी-वनवासी संग्राहकों को रोजगार के साथ-साथ आय का भरपूर लाभ मिलने लगा है।

राज्य लघु वनोपज संघ से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जगदलपुर वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल बीजापुर में 51 हजार 256 संग्राहकों द्वारा 32 करोड़ रूपए के 80 हजार 324 मानक बोरा, सुकमा में 38 हजार 609 संग्राहकों द्वारा 41 करोड़ रूपए के एक लाख एक हजार 526 मानक बोरा, दंतेवाड़ा में 20 हजार 323 संग्राहकों द्वारा 8 करोड़ रूपए के 19 हजार 408 मानक बोरा तथा जगदलपुर में 43 हजार 178 संग्राहकों द्वारा 6.56 करोड़ रूपए के 16 हजार 396 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण हो चुका है।

इसी तरह कांकेर वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल दक्षिण कोण्डागांव में 33 हजार 843 संग्राहकों द्वारा 6.93 करोड़ रूपए के 17 हजार 332 मानक बोरा, केशकाल में 36 हजार 793 संग्राहकों द्वारा 10.45 करोड़ रूपए के 26 हजार 118 मानक बोरा, नारायणपुर में 16 हजार 738 संग्राहकों द्वारा 9.61 करोड़ रूपए के 24 हजार मानक बोरा, पूर्व भानुप्रतापपुर में 32 हजार संग्राहकों द्वारा 38.48 करोड़ रूपए के 96 हजार 195 मानक बोरा, पश्चिम भानुप्रतापपुर में 33 हजार संग्राहकों द्वारा 31.62 करोड़ रूपए के 79 हजार 058 मानक बोरा तथा कांकेर में 33 हजार 928 संग्राहकों द्वारा 14.82 करोड़ रूपए के 37 हजार 047 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया है।

दुर्ग वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल राजनांदगांव में 49 हजार 402 संग्राहकों द्वारा 29.25 करोड़ रूपए के 73 हजार 133 मानक बोरा, खैरागढ़ में 27 हजार 552 संग्राहकों द्वारा 14.82 करोड़ रूपए के 37 हजार 053 मानक बोरा, बालोद में 22 हजार 315 संग्राहकों द्वारा 9.09 करोड़ रूपए के 22 हजार 719 मानक बोरा तथा कवर्धा में 31 हजार संग्राहकों द्वारा 16.67 करोड़ रूपए के 41 हजार 666 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण हो चुका है। रायपुर वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल धमतरी में 27 हजार 374 संग्राहकों द्वारा 10.26 करोड़ रूपए के 25 हजार 666 मानक बोरा, गरियाबंद में 64 हजार 317 संग्राहकों द्वारा 33.10 करोड़ रूपए के 82 हजार 759 मानक बोरा, महासमुंद में 35 हजार 712 संग्राहकों द्वारा 33.42 करोड़ रूपए के 83 हजार 559 मानक बोरा तथा बलौदाबाजार में 19 हजार 715 संग्राहकों द्वारा 8.92 करोड़ रूपए के 22 हजार 320 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया है।

बिलासपुर वनवृत्त के अंतर्गत अब तक वनमंडल बिलासपुर में 29 हजार 779 संग्राहकों द्वारा 12.06 करोड़ रूपए के 30 हजार 159 मानक बोरा, मरवाही में 30 हजार 123 संग्राहकों द्वारा 8.80 करोड़ रूपए के 22 हजार 700 मानक बोरा, जांजगीर-चांपा में 9 हजार 749 संग्राहकों द्वारा 3.23 करोड़ रूपए के 8 हजार 098 मानक बोरा, रायगढ़ में 39 हजार 422 संग्राहकों द्वारा 22.09 करोड़ रूपए के 55 हजार 230 मानक बोरा, धरमजयगढ़ में 46 हजार 063 संग्राहकों द्वारा 32.94 करोड़ रूपए के 82 हजार 351 मानक बोरा, कोरबा में 35 हजार 445 संग्राहकों द्वारा 21.03 करोड़ रूपए के 52 हजार 597 मानक बोरा तथा कटघोरा में 65 हजार 291 संग्राहकों द्वारा 29.57 करोड़ रूपए के 73 हजार 929 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण हो चुका है।

इसी तरह सरगुजा वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल जशपुर में 36 हजार 187 संग्राहकों द्वारा 13.06 करोड़ रूपए के 32 हजार 664 मानक बोरा, मनेन्द्रगढ़ में 30 हजार 504 संग्राहकों द्वारा 17.96 करोड़ रूपए के 44 हजार 912 मानक बोरा, कोरिया में 25 हजार 305 संग्राहकों द्वारा 13.42 करोड़ रूपए के 33 हजार 553 मानक बोरा, सरगुजा में 40 हजार 771 संग्राहकों द्वारा 14.05 करोड़ रूपए के 35 हजार 145 मानक बोरा, बलरामपुर में 97 हजार 570 संग्राहकों द्वारा 56.71 करोड़ रूपए के एक लाख 41 हजार 767 तथा सूरजपुर में 54 हजार 461 संग्राहकों द्वारा 28.57 करोड़ रूपए के 71 हजार 434 तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया है।

प्रयास में कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए च्वाईस फिलिंग 13 जून तक

रायपुर। स्वर्गीय राजीव गांधी बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए 17 अप्रैल 2022 को चयन परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को विद्यालयों में प्रवेश के लिए च्वाईस फिलिंग फॉर्म सभी प्रमाण पत्रों सहित भरकर जमा करने की अंतिम तिथि 13 जून है।

आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास ने प्रयास विद्यालयों के शिक्षा सत्र 2022-23 में कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को सूचित किया है कि जिस जिले से परीक्षा में शामिल होकर चयनित हुए हैं उस जिले के सहायक आयुक्त आदिवासी विकास से संपर्क कर प्रयास विद्यालयों में प्रवेश के लिए निर्धारित तिथि 13 जून तक च्वाईस फिलिंग फॉर्म सभी प्रमाण पत्रों सहित भरकर अनिवार्य रूप से जमा करें। कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए चयनित विद्यार्थियों की वर्गवार सूची विभागीय वेबसाईट tribal.cg.gov.in पर उपलब्ध है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

जिया खानः सुसाइड नोट में बताई थी आत्महत्या की वजह, फिर भी अब तक नहीं सुलझ पाई मौत की गुत्थी

करीब नौ साल पहले आज ही के दिन अभिनेत्री जिया खान ने जब आत्महत्या का खौफनाक कदम उठाया था तब उनकी उम्र महज 25 वर्ष थी। जिया ने भले ही बहुत कम फिल्मों में काम किया था लेकिन इतनी कम उम्र में उन्होंने दर्शकों के बीच एक खास पहचान बना ली थी। अभिनेत्री का जन्म 20 फरवरी 1988 को अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में हुआ था। हालांकि उनकी मौत की गुत्थी अब भी नहीं सुलझ पाई है। जिया खान ने 3 जून 2013 को आत्महत्या की थी। इस मामले में उनके बॉयफ्रेंड अभिनेता सूरज पंचोली को जेल की सलाखों के पीछे जाना पड़ा था। अभिनेत्री की मौत के बाद उनकी मां राबिया ने सूरज पंचोली के खिलाफ हत्या मुकदमा दर्ज कराया था। इस चर्चित मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई। हालांकि, यह बात कभी साबित नहीं हो पाई कि हत्या की गई थी। साल 2016 में जांच के बाद ये साफ हो गया कि ये आत्महत्या का ही मामला है। सूरज पंचोली पर हत्या के लिए उकसाने का आरोप तय हुआ। जिया अपने पीछे एक सुसाइड नोट छोड़ गई थीं, उसमें क्या लिखा था।

सुसाइड नोट में क्या लिखा था

अपने सुसाइड नोट में जिया ने सूरज को लेकर लिखा था, 'तुमने मुझे दर्द के सिवा कुछ भी नहीं दिया। मैंने तो सिर्फ और सिर्फ तुमसे ही प्यार किया था लेकिन बदले में तुमने मुझे क्या दी, बस तन्हाई। कभी ऐसे भी दिन थे जब मैं अपना सबकुछ तुम्हारे साथ देखती थी। उम्मीद थी कि दोनों साथ होंगे, लेकिन तुमने सारे सपने चूर-चूर कर दिए। मैंने तुम्हारे लिए सबकुछ दिया।' उन्होंने आगे लिखा था कि अगर वो ये नोट पढ़ रहे हो, तो या तो वो इस दुनिया से जा चुकी होंगी या इसकी तैयारी कर रही होंगी। सुसाइड नोट में अभिनेत्री में लिखा था, 'मैंने खुद को भुला दिया था लेकिन वो मुझे तड़पाता रहा और तकलीफदेता रहा।

ऐसे हुई थी मुलाकात

जिया खान और सूरज पंचोली के बीच मुलाकात सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर प्यार हो गया। इसके बाद दोनों के बीच प्यार बढ़ता गया। सूरज पंचोली जिया से उम्र में दो साल छोटे थे। तब जिया ने अपनी मां राबिया से भी सूरज की बात करा दी थी। हालांकि उनकी मां राबिया भी इस रिश्ते से खुश नहीं थीं।

सीबीआई की चार्जशीट

रिपोर्ट के मुताबिक, जिया की मौत के एक घंटे पहले सूरज ने उन्हें दस मैसेज किए थे जो बेहद ही अभद्र भाषा में लिखे हुए थे। सीबीआई की चार्जशीट के मुताबिक, सुसाइड वाले दिन जिया, सूरज को लगातार कॉल और मैसेज कर रही थी लेकिन सूरज ने 10 बजकर 22 मिनट तक कोई जवाब नहीं दिया तो जिया सूरज के घर ही चली गईं। जिया ने जब सूरज के नौकर से सूरज के बारे में पूछा तो उसने बताया कि फोन स्विच ऑफ था और वह अपने पापा के साथ एक मीटिंग में हैं। इसके बाद जिया सूरज के घर के बाहर थोड़ी देर खड़ी रहीं। इसके बाद सूरज एक शख्स को जिया को बुलाने के लिए भेजा लेकिन तब तक वह अपने घर जा चुकी थीं। इसके बाद सूरज ने जिया को फोन कॉल किया तो उसने फोन को नहीं उठाया। फिर सूरज ने उन्हें गाली गलौच से भरे दस मैसेज भेजे थे। इसके एक घंटे बाद ही जिया खान का शव पंखे पर लटका पाया गया था।

इन तीन फिल्मों में किया था काम

जिया खान का असली नाम नफीसा रिजवी खान था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जिया खान बचपन में अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर की फिल्म 'रंगीला' देखकर प्रभावित हुई थीं। इसके बाद से ही उन्होंने फिल्मों में आने का मन बनाया था। सबसे पहले उन्होंने फिल्म 'नि:शब्द' के लिए काम किया था। इस फिल्म में उनके अपोजिट अमिताभ बच्चन थे। इस फिल्म के अलावा उन्होंने आमिर खान के साथ फिल्म 'गजनी' और अक्षय कुमार के साथ 'हाउसफुल' में मुख्य किरदार निभाया।

डायरेक्टर प्रशांत नील ने रखी प्रभास से वजन कम करने की शर्त, शूटिंग पर लगा ब्रेक

साउथ के सुपरस्टार प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'सालार' है। इस फिल्म में प्रभास जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे। लेकिन प्रभास की वजह से फिल्म की शूटिंग पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। दरअसल फिल्म के डायरेक्टर प्रशांत नील चाहते हैं कि इसमें प्रभास की बॉडी फिट लगें।

प्रशांत नील ने रोकी 'सालार' की शूटिंग

फिल्म 'सालार' में प्रभास लीन लुक में नजर आएं, इसलिए प्रशांत चाहते हैं प्रभास अपना वजन घटाएं और फिल्म में फिजिकली टोन्ड शेप में नजर आएं। प्रशांत फिल्म में एडिटिंग से प्रभास को अच्छा नहीं दिखाना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने कहा है कि प्रभास जब तक वजन कम नहीं करेंगे तब तक वो फिल्म की शूटिंग पर नहीं लौटेंगे। प्रभास की बात करें तो वो काफी समय से अपने वजन को लेकर परेशानी झेल रहे हैं।

2023 में होगी फिल्म रिलीज

इस फिल्म को निर्माता पहले इसी साल अप्रैल 2022 में रिलीज करने की तैयारी में थे। फिल्म निर्माताओं के इस प्लान पर कोरोना ने पानी फेर दिया था। अब ये फिल्म अगले साल 2023 में ही रिलीज हो पाएगी। फिलहाल फिल्म अभी शूटिंग स्टेज पर है। जिसमें से 35 फीसदी फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान ही प्रभास को बीते दिनों एक गंभीर चोट लगी थी। जिसके इलाज के लिए एक्टर विदेश में गए थे।

मार्वल स्टूडियोज के दीवानों के लिए खुशखबरी, इस दिन ओटीटी पर आएगी 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस'

मार्वल स्टूडियोज के दीवाने पूरी दुनिया समेत भारत में भी हैं। मार्वल ने सिनेमेटिक यूनिवर्स की मदद से अपनी फिल्मों और सीरीज का ऐसा आकर्षण बनाया है कि लोग एक बार फिल्म देखने के बाद दोबारा इसके अगले भाग को देखने के लिए उत्सुक रहते हैं। फिलहाल अपने दर्शकों के लिए मार्वल स्टूडियोज एक और खुशखबरी लेकर हाजिर है। बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' को आखिरकार सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर भी रिलीज किया जाएगा। इस बात की पुष्टि मार्वल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट शेयर कर की है।

डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी फिल्म

मार्वल कॉमिक्स के कैरेक्टर सुपरहीरो डॉक्टर स्ट्रेंज पर आधारित फिल्म 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज किया जाएगा। मार्वल स्टूडियोज के डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस तो 22 जून से आप ओटीटी पर देख सकते हैं। इसे अंग्रेजी के अलावा हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में भी प्रसारित किया जाएगा।

जिन लोगों ने सिनेमाघरों में निर्देशित 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' नहीं देखी है, वह ओटीटी के जरिए अब मार्वल की दुनिया में खोने के लिए तैयार हो जाएं। बता दें कि इस फिल्म में दर्शकों को मल्टीवर्स ट्रैक देखने को मिलेगा, जिसकी वजह से दुनिया खतरे में आ जाएगी। सैम राइमी द्वारा निर्देशित फिल्म 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' में बेनेडिक्ट कंबरबैच, एलिजाबेथ ऑलसेन, माइकल स्टहलबर्ग, चिवेटेल इजीओफोर, बेनेडिक्ट वोंग, जोचिटल गोमेज और रेचल मैकएडम्स मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अक्षय कुमार ने की ट्विंकल के साथ अपने रिश्ते पर बात बोले-हम एक दूसरे की लाइफ में इंटरफियर नहीं करते हैं

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपने और पत्नी ट्विंकल खन्ना के बारे में खुलकर बात की है। अक्षय ने खुलासा करते हुए बताया कि वो और ट्विंकल एक दूसरे की लाइफ में इंटरफियर नहीं करते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि वो दोनों एक-दूसरे से बहुत अलग सोचते हैं।

अक्षय ने की अपनी रिलेशनशिप पर बात

अक्षय से जब यह पूछा गया कि क्या वो एक-दूसरे से काम को लेकर बातें करते हैं, तो एक्टर ने कहा, अगर मैं कुछ पूछता हूं तो ट्विंकल मुझे सजेशन दे देती हैं। अगर वो मुझसे उनका लिखा कॉलम पढ़ने के लिए कहती हैं तो मैं पढ़ लेता हूं। यदि ट्विंकल मुझसे कुछ पूछती हैं तो मैं उन्हें अपनी राय बता देता हूं। वहीं, अगर वो नहीं पूछतीं तो मैं चुप रहना पसंद करता हूं। मैं उनकी लाइफ में इंटरफियर नहीं करता और न वो मेरी लाइफ में इंटरफियर करती हैं।

'पृथ्वीराज' में अक्षय के अलावा मानुषी छिल्लर भी हैं

डॉक्टर चंद्र प्रकाश द्विवेदी के डायरेक्शन में बनी 'पृथ्वीराज' में अक्षय के अलावा सोनू सूद, संजय दत्त और मानुषी छिल्लर भी लीड रोल में हैं। इस ऐतिहासिक फिल्म में अक्षय महान सम्राट 'पृथ्वीराज चौहान' के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में सोनू सूद पृथ्वीराज चौहान के मित्र महाकवि 'चंद वरदाई', संजय दत्त 'काका कन्ह' और मानुषी छिल्लर कन्नौज की 'राजकुमारी संयोगिता' के किरदार में नजर आएंगी। पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर इस फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म को यश राज फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस किया गया है।

एक्टिंग छोड़ राइटर बन गई हैं ट्विंकल

ट्विंकल दिवंगत एक्टर राजेश खन्ना और एक्ट्रेस डिंपल कपाड़िया की बेटी हैं। ट्विंकल ने जनवरी 2001 में अक्षय कुमार से शादी की और अब वो दो बच्चों की मां हैं, जिनका नाम आरव और नितारा है। वो साल 1990 और 2000 के दशक की शुरुआत में एक एक्ट्रेस हुआ करती थीं, लेकिन अपने पहले प्यार, राइटिंग को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने एक्टिंग छोड़ दिया। उन्होंने अब तक तीन सबसे अधिक बिकने वाले नोवल्स पब्लिश किए हैं।

फैंस को भा गई देश के सुपरहीरो की कहानी, अदिवी शेष की परफोर्मेंस ने जीता दिल

जून के शुरू हुए महीने के पहले हफ्ते में कई बड़े सितारों की फिल्मों सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। मेगा बजट और बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' को टक्कर देने के लिए साउथ की दो फिल्में 'विक्रम' और 'मेजर' रिलीज हो चुकी हैं। इनमें से कौन सी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बाजी मारेगी, इस बारे में तो कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन, हां हम आपको अदिवी शेष स्टारर फिल्म 'मेजर' का पहला शो देखने वाले लोगों का सोशल मीडिया रिएक्शन्स के बारे में बताने जा रहे हैं। 26/11 हमलों की भयावह तस्वीर सामने लाने वाली इस फिल्म ने लोगों के दिल में वही मंजर जगाते हुए, देश के एक ऐसे मेजर की कहानी उन्हें दिखाई जिसे देख उनकी आंखें नम हो गईं।

लोगों ने ट्विटर पर दिए रिएक्शन

अदिवी शेष नॉर्थ के लोगों के लिए चाहे एक नया चेहरा हों लेकिन साउथ में वह एक जाना-माना नाम हैं। उनके फैंस फिल्म रिलीज होते ही बिना किसी इंतजार के सिनेमाघरों में उनकी 'मेजर' देखने पहुंच गए। दर्दनाक पर एक्शन थ्रिलर फिल्म 'मेजर' देखते ही फैंस ने अपने ट्विटर हैंडल पर इस बायोपिक के लिए अपने विचार साझा करने शुरू कर दिए हैं। फैंस ने फिल्म को पॉजिटिव रिस्पॉन्स देते हुए ट्विटर पर इसकी खूब तारीफ की है। जहां कई लोगों ने इसे एक 'भावनात्मक' फिल्म बताया, वहीं कुछ ने अदिवी शेष स्टारर फिल्म को 'बहादुर सैनिकों को अब तक की सबसे बेहतरीन श्रद्धांजलि' बताया।

फैंस ने जमकर की तारीफ

बहादुर एनएसजी कमांडो मेजर संदीप की इस कहानी ने लोगों को इतना भावुक कर दिया कि वह ट्विटर पर भी अपनी भावनाओं को बताने से खुदको रोक नहीं पाए। एक यूजर ने लिखा, मैं फिल्म मेजर की रेटिंग नहीं कर सकती। इस फिल्म को भावनाओं के साथ महसूस करना चाहिए और उन लोगों की असली देशभक्ति का सम्मान करना चाहिए। दिल को छू लेने वाले दृश्य जो मेजर संदीप उन्नीकृष्णन को परिभाषित करते हैं, निस्संदेह बहादुर सैनिक को सबसे बेहतरीन श्रद्धांजलि है। एक दूसरे ने लिखा, मुझे फिल्म देखकर बहुत गर्व हुआ और आदिवी शेष, शशि टिक्का, साई मानजरेकर आप सभी को धन्यवाद। हमें भारत के ऐसे बहादुरों का कहानी, हीरो - मेजर संदीप उन्नीकृष्णन की कहानी हम तक लाने और दिखाने के लिए धन्यवाद।

एक अन्य फिल्म के दूसरे पार्ट की तारीफ करते हुए लिखा, फिल्म का दूसरा हाफबहुत अच्छा था। आखिरी 40 मिनट फिल्म का दिल और जान है, भावनाएं बहुत अच्छी तरह से दिखाई गई हैं।

फिल्म की कहानी

फिल्म में दिखाया गया है कि मेजर संदीप उन्नीकृष्णन ने कैसे मुंबई आतंकी हमले में अपनी जान की परवाह किए बिना कई लोगों की जान बचाई, जिसके लिए उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा फिल्म में मेजर संदीप के माता-पिता, उनकी प्रेम कहानी और उनकी सेना में हुई ट्रेनिंग को भी दर्शाया गया है। 'मेजर' का निर्माण सोनी पिक्चर्स फिल्म्स इंडिया और महेश बाबू की जीएमबी एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने मिलकर किया है और इसका निर्देशन शशि किरण टिक्का ने किया है। फिल्म में अदिवी शेष और साई मांजरेकर के अलावा शोभिता धूलिपाला, प्रकाश राज, रेवती और मुरली शर्मा शामिल हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

दिव्यांगजनों का बना यूडीआईडी कार्ड व चिकित्सा प्रमाण पत्र

राजनांदगांव। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में आजादी से अन्तयोदय तक विशेष अभियान कार्यक्रम अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दिव्यांगजनों का विशिष्ट पहचान पत्र यूडीआईडी कार्ड व चिकित्सा प्रमाण पत्र बनाया गया। जिसके अंतर्गत जनपद पंचायत मानपुर के ग्राम औंधी में 49 दिव्यांगजनों का पंजीयन किया गया। जिसमें से 17 दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड व चिकित्सा प्रमाण पत्र जारी किया गया। इस प्रकार ग्राम खडग़ांव में 74 दिव्यांगजनों का पंजीयन किया गया और 24 दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड एवं चिकित्सा प्रमाण पत्र जारी किया गया। जनपद पंचायत मोहला के ग्राम गोटाटोला में 81 दिव्यांगजनों पंजीयन किया गया और 18 दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड व चिकित्सा प्रमाण पत्र जारी किया गया। दिव्यांगजनों का चिकित्सा प्रमाण पत्र यूडीआईडी कार्ड बनने से वे शासकीय योजनाओं का लाभ ले सकते है।

कलेक्टर की पहल से लाभान्वित हो रहे लोग

कोरबा। कलेक्टर रानू साहू की नागरिकों में गैर संचारी रोग बीपी-शुगर की जांच कर बीमारी बढने से पहले मरीजो का ईलाज सुनिश्चित करने की पहल से जिलेवासी लाभान्वित हो रहे है। आज नि:शुल्क बीपी, शुगर जांच कैम्प का आयोजन जिले में किया गया। इस शिविर में 30 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगो की बीपी और शुगर की जांच की गई। लोगो के जांच करने के पश्चात् बीपी, शुगर की पुष्टि होने वाले मरीजो को आवश्यक दवाईयां भी नि:शुल्क में प्रदान की गई। साथ ही जरूरी स्वास्थ्य सलाह भी लोगो को दी जा गई। जांच शिविरो में नागरिकगण उत्साह के साथ बीपी, शुगर की जांच कराने पहुंचे। कलेक्टर साहू सहित जिला स्तरीय और ब्लॉक स्तरीय अधिकारी-कर्मचारियों ने एनसीडी कैम्पों का निरीक्षण कर शिविर के सफल क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान किया। इस दौरान कलेक्टर साहू ने नगर निगम क्षेत्र कोरबा के अंतर्गत विभिन्न कैम्पों का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए फसल प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन जरूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विभिन्न खाद्यान, लघु धान्य तथा लघु वनोपज फसलों के प्रचुर मात्रा में होने वाले उत्पादन के प्रसंस्करण तथा मूल्य संवर्धन से किसानों की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

इसके लिए फसलों की कटाई उपरान्त प्रौद्योगिकी का विकास कर कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना होगा। यह निष्कर्ष इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा आज यहां ''कृषक उत्पादों की कटाई उपरान्त प्रौद्योगिकी एवं मूल्य संवर्धन'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय वेबिनार के उद्घाटन सत्र में प्रतिपादित हुआ।

इस वेबिनार के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक कृषि अभियांत्रिकी, डॉ. एस.एन. झा थे। समारोह की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति, डॉ. गिरीश चंदेल ने की। इस दो दिवसीय वेबिनार में किसानों द्वारा उत्पादित फसलों की कटाई के उपरान्त उनके प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा सार्थक विमर्श किया जाएगा।

वेबिनार के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ. एस.एन. झा ने कहा कि कृषि अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के विकास की वजह से आज देश खाद्यान उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया है, लेकिन आज भी किसानों की कृषि से होने वाली आय संतोषजनक नहीं है। उन्होंने कहा कि फसलों की कटाई उपरान्त प्रौद्योगिकी तथा फसलों के मूल्य संवर्धन को बढ़ावा दिये जाने की जरूरत है। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के लिए फसलों का प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन किये जाने पर जोर दिया।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. चंदेल ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ में सीताफल, तेंदु, चिरौंजी, कोदो, कुटकी, रागी तथा अन्य लघु धान्य फसलें एवं लघु वनोपजों का प्रचुर मात्रा में उत्पादन होता है लेकिन इनके प्रसंस्करण तथा मूल्य संवर्धन की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण किसानों को यथोचित लाभ नहीं मिल पाता है। उन्होंने फसलों के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन हेतु आवश्यक अधोसंरचनाएं एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने पर बल दिया। डॉ. चंदेल ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण हेतु नये स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

कार्यशाला के प्रथम दिवस विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा खाद्य प्रसंस्करण की आवश्यकता, खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में उद्यमिता के अवसर, कटाई उपरान्त प्रबन्धन एवं खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता, कृषि प्रसंस्करण में स्टार्टअप्स के अवसर, अकाष्ठीय वनोपज का प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन आदि विषयों पर व्याख्यान दिया गया।

हर पड़ाव के साथ सुलझ रही समस्याएं, जनता के बीच खुद पहुंच रहे मुख्यमंत्री

भेंट-मुलाकात : अभियान जो बन गया सरकार और जनता के बीच संवेदना की कड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इन दिनों एक विशेष अभियान पर हैं। इस अभियान में वे प्रदेश की सभी विधानसभाओं का दौरा कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का धरातल पर प्रभाव देखना है। भेंट-मुलाकात की यह अनूठी यात्रा सरकार और जनता के बीच जुड़ाव और विकास की सतत सम्भावनाओं का मेल है। मुख्यमंत्री जहां भी जा रहे हैं, भेंट-मुलाकात में लोगों से उनकी समस्या पूछ रहे, उनका समाधान कर रहे हैं। हर वर्ग के लोगों से किसान, मजदूर, युवाओं, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों सभी से बातचीत करते भेंट-मुलाकात की यात्रा आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री अब तक 7 जिलों की 16 विधानसभाओं का दौरा कर चुके हैं।

इस यात्रा में मुख्यमंत्री न केवल विधानसभावार सरकारी योजनाओं के कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं बल्कि उन जगहों की संस्कृति, परम्परा और आध्यात्मिक पहलुओं को भी दुनिया तक पहुंचाने की कवायद में जुटे हैं। स्थानीयता के आधार पर लोग मुख्यमंत्री का स्वागत पारंपरिक वस्त्रों, विभिन्न पगड़ियों, विशेष उत्पादों को भेंटकर और भोजन में क्षेत्रीय व्यंजन परोस रहे हैं। भेंट-मुलाकात में हर विधानसभा में मुख्यमंत्री स्वयं अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर धरातल पर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ले रहे हैं। कमियों को दूर करने के निर्देश दे रहे हैं। मुख्यमंत्री की भेंट-मुलाकात में ग्रामीण खुलकर अपनी बात कह रहे हैं।

भेंट मुलाकात में कई ऐसे उदाहरण सामने आये हैं, जिन पर तत्क्षण मौके पर ही कार्रवाई हुई है। विशेषकर जरूरतमंदों को आर्थिक मदद देने, शासकीय कार्यों में लेट-लतीफी की कमियां दूर करने, शिकायतों एवं समस्याओं के समाधान पर त्वरित कदम उठाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य ऑन द स्पॉट हो रहे हैं। जनता से सीधे संवाद के इस भेंट-मुलाकात की आज पूरे प्रदेश में चर्चा हो रही है। प्रशासनिक कार्यों में कसावट कायम रखने के साथ ही साथ ज़मीनी स्तर पर जरूरतों को समझकर उनके निराकरण की दिशा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की इस पहल को पूरे देश में भी सराहना मिल रही है।

अच्छे कार्यों की सराहना तो लापरवाही पर कार्रवाई

भेंट मुलाकात अभियान में जनहित में राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का मुख्यमंत्री स्वयं जमीनी निरीक्षण कर रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री कमियां होने पर सुधार के निर्देश दे रहे हैं तो अच्छे कार्यों के लिए कर्मचारियों-अधिकारियों की सराहना भी कर रहे हैं। जरूरत पड़ने पर सख्त निर्णय भी ले रहे हैं।योजनाओं की बारीक़ जांच-पड़ताल के बाद दोषी पाए जाने पर मुख्यमंत्री अधिकारियों-कर्मचारियों पर निलंबन की कार्यवाही भी कर रहे हैं। ऐसे कई उदाहारण सामने आए जब जनहित से खिलवाड़ करने वाले लापरवाह अधिकारियों पर निलंबन की कार्रवाई हुई।

समस्या सुनते ही तुरंत निराकरण की अनूठी पहल

भेंट-मुलाकात में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लोगों की मांग और समस्याओं को बड़े ही उदार भाव से सुनकर उसका तत्काल निराकरण कर रहे है। मुख्यमंत्री का यह अंदाज़ लोगों को भा रहा है, लोग बेझिझक होकर मुख्यमंत्री से सीधे अपनी समस्या बता रहे हैं। भेंट-मुलाकात के क्रम में मुख्यमंत्री जहां भी जा रहे हैं, वहां स्थानीय उद्यम और नवाचार को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। सभी से मुलाकात करते हुए लगातार वे अच्छे कार्यों की सराहना और उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं। अभियान के दौरान उनके द्वारा स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने की कवायद भी की जा रही है।

सांसद सरोज ने पीएम मोदी के 8 वर्षो के कार्यकाल को बताया बेमिसाल

कहा देश ने विकास व प्रगति की लिखी नई इबारत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्यसभा सांसद सु सरोज पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 8 वर्षो के कार्यकाल को बेमिशाल बताया है। गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी के 8 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर उन्होने जिला भाजपा कार्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि इन 8 वर्षो में गरीब वर्ग के लिए सेवा सुशासन और कल्याण के कार्यो को मूर्तरुप दिया गया है। जिससे इन 8 वर्षो के कार्यो को बेमिशाल कहना अतिश्योक्ति नही होगा।

देश ने विकास व प्रगति की नई उचाईयों को छुआ है। आत्मनिर्भर बना है। देश विश्वगुरु बनने के कतार पर खड़ा हुआ है, लेकिन इन 8 वर्षो के कार्यकाल में पिछला दो वर्ष बेहद कठिन समय रहा है। कोरोना काल में कई देशों ने घुटने टेक दिए थे। बावजूद प्रधानमंत्री की नीति ने देश की व्यवस्था को गड़बड़ाने नही दिया। गरीबों को केन्द्र सरकार ने राशन के अलावा अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई।दूसरे देशों को कोरोना वैक्सीन उपलब्ध करवाई गई। वैश्विक महामारी में भी प्रधानमंत्री ने देश के विकास को रुकने नहीं दिया। राज्यसभा सांसद सु सरोज पांडेय ने मोदी सरकार की उपलब्धि गिनवाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने इन 8 वर्षो में देश में बदलाव की कहानी लिखी। केन्द्र सरकार ने ऐसी तमाम योजनाओं को प्राथमिकता के साथ लागू की, जिनके लिए लोग कई वर्षो से बाट जोह रहे थे।

इन योजनाओं में आयुषमान चिकित्सा योजना, शौचालय योजना, उज्जवला गैस योजना, पीएम आवास योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, सौभाग्य योजना, प्रत्येक गांवों को राजमार्ग से जोडने की योजना एवं अन्य महती योजनाएं शामिल है। देश रक्षा उपकरण बनाने में आत्मनिर्भर बना है। अंतरिक्ष क्षेत्र में भी विश्व को अपना लोहा मनवाया है। सामाजिक जागृति भी लाई है। जिसके तहत बेटी बचाओं- बेटी पढ़ाओं अभियान चलाया गया है।जिससे लिंगानुपात नियंत्रित हुआ है। मुस्लिम समाज की महिलाओं को ट्रिपल तलाक से मुक्ति दिलवाई है। केन्द्र सरकार ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने का बड़ा फैसला किया था। जिससे यहां पर्यटन को बढ़ावा मिला है।जम्मू कश्मीर फिर मुख्यधारा में शामिल हुआ है। आतंकवाद के खिलाफ केन्द्र सरकार ने सख्त कदम उठाए है। जिससे आतंकियों के हौसले पस्त हो रहे है। विश्वनाथ काशी मंदिर निर्माण, केदारनाथ का जीर्णोद्धार करवाया गया है।राममंदिर भी जल्द बनकर तैयार हो जाएगा। राज्यसभा सांसद सु सरोज पांडेय ने कहा कि रुस व युक्रेन युद्ध के समय जब सारे देशों ने युद्ध में.फंसे छात्रों से मुंह मोड़ लिया था, तब मोदी सरकार द्वारा देश के छात्रों की सकुशल वापसी सुनिश्चित की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ,सबका विकास व सबका प्रयास का नारा दिया है। जिसे लेकर भारत देश तेजी से विकास के मार्गो पर चल रहा है। सु पांडेय ने कहा कि देश कांग्रेस मुक्त भारत की ओर अग्रसर है। देश के अधिकांश राज्यों में हुए लोकसभा व विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस को पराजय हाथ लगी है।

पढ़ाई के साथ छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर भी करें काम-संभागायुक्त

संभागायुक्त डॉ.अलंग ने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। बिलासपुर संभागायुक्त डॉ.संजय अलंग एक दिवसीय निरीक्षण के दौरान स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल के निरीक्षण में पहुंचे। कलेक्टर भीम सिंह, आयुक्त नगर निगम संबित मिश्रा भी इस दौरान साथ रहे। इस दौरान डॉ.अलंग ने स्कूल में अध्यापनरत शिक्षकों से बातचीत की। उन्होंने शिक्षकों से स्कूल में पढ़ाने के अनुभव जाने। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों से कहा कि बच्चों में सीखने की क्षमता के अनुसार पढ़ाई करवाएं। जिससे क्लास के सभी बच्चे पढ़ाई में अच्छा परफार्म करें।

इसके साथ ही बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर भी काम करें, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़े तथा अच्छे गुणों का विकास हो। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक उपलब्धि के साथ अच्छा व्यक्तित्व व नैतिक दायित्व बोध जीवन में सफलता के लिए एक अहम जरूरत है। इस दौरान उन्होंने बच्चों की लाईब्रेरी व लैब का भी निरीक्षण किया तथा उनकी टाईमिंग के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि लाईब्रेरी का समय क्लास पीरियड के बाद होना चाहिए। इस दौरान अपर कलेक्टर आर.ए.कुरूवंशी, उपायुक्त अर्चना मिश्रा, एसडीएम युगल किशोर उर्वशा, जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी.आदित्य सहित अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बच्चों से कहा खूब पढ़े-खूब बढ़े

इस दौरान उन्होंने बच्चों से भी चर्चा की तथा स्कूल में पढ़ाई-लिखाई के बारे में उनके अनुभव जानें। कक्षा 8 वीं की छात्रा अर्पणा दुबे ने बताया कि उन्हें स्कूल में बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल रहा है। जिससे अलग-अलग विषयों के कांसेप्ट समझने में आसानी हो रही है।

स्कूल में क्लासरूम्स, लैब व लाईब्रेरी की सुविधा भी बहुत अच्छी है। यहां शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा एक्सट्रा करिकुलर एक्टिविटीज भी नियमित रूप से करायी जाती है। संभागायुक्त डॉ.अलंग ने इस मौके पर बच्चों से कहा कि वे खूब मन लगाकर पढ़े और जीवन में आगे बढ़े। किसी विषय में कोई टॉपिक समझ न आए तो शिक्षकों से पूछकर उसे समझें। जिससे आपकी उच्च शिक्षा की नींव अभी से मजबूत होती जाएगी। इस मौके पर उन्होंने बच्चों को किताबों के सेट भी प्रदान किए।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग

उद्घोषण- पत्र

रा.प्र.क्र. / 202206100700013 / अ-6/2021-22

एतद्व द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है। आवेदक दिनेश कुमार गुप्ता पिता स्व. भागवत प्रसाद गुप्ता उर्फ कन्हैया लाल निवासी ग्राम मोहन नगर दुर्ग तहसील दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1313/45, 1313/4 रकबा 0.026, 0.026 हे.भूमि जो कि आवेदक / शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार शांति शीला देवी की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह पेशी दिनांक 17/06/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 31/05/22 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया है।

जारी दिनांक : 31/05/22
सुनावाई दिनांक : 17/06/22

मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग

उद्घोषण- पत्र

रा.प्र.क्र. / /अ-6/2021-22

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है । आवेदक दिनेश कुमार गुप्ता पिता स्व. भागवत प्रसाद गुप्ता उर्फ कन्हैया लाल गुप्ता निवासी ग्राम मोहन नगर दुर्ग तहसील दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 768/40 रकबा 0.024 हे. भूमि जो कि आवेदक / शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार भागवत प्रसाद गुप्ता उर्फ कन्हैया लाल गुप्ता की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह पेशी दिनांक 15/06/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 31/05/22 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया है।

जारी दिनांक : 31/05/22
सुनावाई दिनांक : 15/06/22

मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग

उद्घोषण- पत्र

रा.प्र.क्र./202206100700012 /अ-6/2021-22

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है आवेदक/आवेदिका दिनेश कुमार गुप्ता पिता / स्व. भागवत प्रसाद गुप्ता उर्फ कन्हैया लाल निवासी ग्राम मोहन नगर दुर्ग तहसील दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1313/47 रकबा 0.026 हे. भूमि जो कि आवेदक / शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार कन्हैया लाल की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह पेशी दिनांक 17/06/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 31/05/22 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया है।

जारी दिनांक : 31/05/22
सुनावाई दिनांक : 17/06/22

मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

अरिहंत इंटेरियर्स
वॉलपेपर, वुडन फ्लोरिंग, पीवीसी फ्लोरिंग, विंडोव ब्लाइंड्स, एक्रीलिक रेलिंग, आर्टिफिसियल ग्रास, पीवीसी पैनल, ग्लास फिल्म
शॉप नं.-23, नेहरू रोड, सुपेला, भिलाई, 9584400900

YOGESH COMPUTER Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware, CCTV Camera, Networking, Software
Yogesh Sirame Mo-9893342971 7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing, Printer, Desktop
7/2, Dakshin Gangotri, Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
• Gym Servicing • Gym Equipment & Accessories Available • Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/- Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

SAIRAM Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI, Oppo, Vivo, Nokia, HTC, Blue tooth Charger, Power Bank, Ear Phone, BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

दुर्ग से चुराई थी मोटरसाइकिल, बेचने के लिए रायपुर में घूमते दो गिरफ्तार

रायपुर (ए)। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में गुरुवार को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया। आरोपित कमलकांत प्रसाद और पवन नाग ने दुर्ग से मोटरसाइकिल चुराई थी और यहां सस्ते दाम में बेचने की फिराक में घूम रहे थे। दोनों आरोपित दुर्ग जिले के हैं। उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुरानी बस्ती थाना पुलिस को गुरुवार को मुखबिर से सूचना मिली कि दो लड़के कुशालपुर के पास बिना नंबर प्लेट की गाड़ी को बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना पर पुलिस की टीम तत्काल पहुंची। दोनों को घेराबंदी कर पकड़ा। वाहन के संबंध में पूछताछ करने पर बताया कि दो माह पूर्व एचपी पेट्रोल पंप के पास डी-मार्ट दुर्ग भिलाई से चोरी की थी। वे चोरी के वाहनों को दूसरे जिले में बेचते थे।

दिव्यांग के खाते से पीएम आवास के 53 हजार रुपये पार

बिलासपुर (ए)। रतनपुर में रहने वाले दिव्यांग के बैंक एकाउंट से पीएम आवास योजना के तहत मिले 53 हजार रुपये पार हो गए। पीड़ित ने इसकी शिकायत रतनपुर थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। रतनपुर के तेलंगापारा में रहने वाले अर्जुन सूर्यवंशी दिव्यांग हैं। उन्हें दोनों आंखों से दिखाई नहीं देता। अर्जुन ने अपनी शिकायत में बताया कि उनके नाम पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राशि स्वीकृत हुई है। उन्होंने मकान का निर्माण शुरू करा दिया है। बैंक में योजना की राशि जमा होने की जानकारी होने पर वे 31 मई को रुपये निकलवाने के लिए एटीएम गए। एटीएम से रुपये नहीं निकलने पर बैंक पहुंचे। बैंक में पता चला कि उनके एकाउंट से किसी ने 27 मई को चार किस्तों में 53 हजार रुपये निकाल लिए हैं। उन्होंने बैंक से जानकारी लेकर इसकी शिकायत रतनपुर थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

नौ साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपित को 20 साल सश्रम कारावास की सजा

बिलासपुर (ए)। बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले युवक को पाक्सो एक्ट के तहत 20 साल के सश्रम कारावास की सजा विशेष अपर सत्र न्यायाधीश पेंड्रा की ओर से सुनाई गई है। घटना सात जनवरी 2021 को पेंड्रा थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई थी। बच्ची नौ साल तीन महीने की थी। उसकी मां सब्जी लेने के लिए बिलासपुर गई हुई थी। तभी उसके पड़ोस में रहने वाला आरोपित 19 वर्षीय लक्ष्मण सारथी अचानक घर में घुस गया और अकेली बच्ची के साथ दुष्कर्म कर वहां से भाग गया था। इसके बाद भी आरोपित पीड़िता के घर आते जाते रहता था और बच्ची की मां को सब्जी के व्यवसाय में सहयोग करता रहा।

एक गमछे से बांधकर प्रेमी जोड़े ने दी जान

16 साल की लड़की के साथ नदी में कूदा युवक, 2 दिन बाद मिले शव

भिलाई (ए)। दुर्ग में शिवनाथ नदी के तट पर एक लड़की और लड़के का शव मिला है। बताया जा रहा है कि दोनों एक-दूसरे से प्यार करते थे। लड़का 20 साल का था और लड़की 16 साल की नाबालिग थी। परिजन उनकी शादी के खिलाफथे। इससे दोनों ने गमछे से एक दूसरे को बांधकर नदी में छलांग लगा दी। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई करके दोनों शवों को पीएम के लिए भेज दिया है।

दुर्ग कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक युवक की पहचान मछली मार्केट सुपेला निवासी रितेश वर्मा (रिकेश उर्फ डमरू) के रूप में हुई है। वह 16 वर्षीय किशोरी से बेपनाह प्यार करता था। दोनों एक दूसरे शादी करना चाहते थे। जब यह बात लड़की के परिजनों को पता चली तो उन्होंने शादी से साफ मना कर दिया। लड़की के पिता उसे बिहार छोड़कर आ गए थे।

दो दिन पहले ही 30 मई को लड़की वहां से लौटी तो रिकेश और नाबालिग की मुलाकात भिलाई स्टेशन में हुई। यहां दोनों बिना किसी को कुछ बताए सीधे दुर्ग शिवनाथ नदी चले गए। यहां दोनों ने एक दूसरे को गमछे से बांधा और नदी में छलांग लगा दी। उनकी लाश 2 जून की सुबह शिवनाथ मुक्तिधाम के पास शिव मंदिर के किनारे देखी गई।

गुरुवार सुबह जैसे ही नदी में दो लोगों की लाश लोगों ने देखी तो जानकारी दुर्ग पुलिस को दी गई। टीआई एसएन सिंह मौके पर पहुंचे और दोनों शव की पहचान करवाकर परिजनों की इसकी जानकारी दी। टीआई के मुताबिक नाबालिग के हाथ मे एक कागज भी बरामद हुआ है। जिसमें उसके पिता का मोबाइल नंबर लिखा हुआ था।

40 पाव शराब ले जाता ग्रामीण तस्करी के आरोप में पकड़ा गया

महासमुंद (ए)। गांव में अवैध रूप से शराब बचने के लिए एक ग्रामीण शराब दुकान से 40 पौवा देशी व अंग्रेजी शराब लेकर गांव जा रहा था, जिसे पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर तस्करी के आरोप में आधे रास्ते में ही पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवक पैदल कंधे में रखकर पैदल अपने गांव जा रहा था। तुमगांव थाना प्रभारी विनोद शर्मा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि गाड़ाघाट शराब दुकान से तुमगांव की ओर एक व्यक्ति पैदल अपने कंधे में सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी के अंदर अंग्रेजी गोवा ब्रांड की शराब लेकर तुमगांव की ओर आ रहा है। सूचना मिलते ही तुमगांव-महासमुंद मेन रोड भाठापारा स्थित पेट्रोल पंप के पास घेराबंदी कर ग्राम नयापारा अछरीडीह निवासी सोनू राम जांगड़े पिता रामसिंग जांगड़े (45) को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 10 पौवा गोवा ब्रांड व 30 नग देशी प्लेन शराब जब्त हुई है, इसकी कीमत 3600 रुपए आंकी गई है। इस कार्रवाई में चितरंजन साहू, मोनू नामदेव, फलेश वर्मा, रोहित चंद्राकर शामिल थे।

इलेक्ट्रिक स्कूटर की एजेंसी देने का झांसा देकर 21 लाख रुपये की धोखाधड़ी

बिलासपुर (ए)। तारबाहर क्षेत्र में व्यवसायी को इलेक्ट्रिक स्कूटर की एजेंसी देने का झांसा देकर 21 लाख की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित व्यवसायी की शिकायत पर तारबाहर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। सिविल लाइन क्षेत्र के शांतिनगर सिद्धशिखर अपार्टमेंट में रहने वाले संजय गुप्ता व्यवसायी हैं। उनका सीएमडी कालेज के पास इलेक्ट्रिक स्कूटर का शोरूम है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से लियो इलेक्ट्रिक स्कूटर की जानकारी ली। इसमें उन्हें कंपनी के आनंद सिंगला का नंबर मिला।

मोबाइल पर बातचीत के बाद व्यवसायी दिल्ली स्थित कंपनी के ऑफिस गए। वहां उनकी मुलाका अंकित मिश्रा से हुई। बातचीत के बाद उन्हें छत्तीसगढ़ के लिए डीलरशीप देने की बात कही गई। इसके लिए उन्हें कंपनी के 60 इलेक्ट्रिक वाहन लेने थे। दिल्ली से लौटकर संजय ने डीलरशिप के लिए दो लाख रुपये का भुगतान आनलाइन किया। उन्होंने 26 अगस्त को वाहनों की खरीदी के लिए 15 लाख 54 हजार रुपये कंपनी के खाते में ट्रांसफर किए। रुपये भेजने के बाद उन्हें 20 इलेक्ट्रिक वाहन दिल्ली से भेजा गया।

वाहनों के साथ दिल्ली से दो कर्मचारी अनमोल और शेखर भी आए। वाहन मिलने के बाद उन्होंने 60 वाहन खरीने के लिए 21 लाख रुपये का ऑनलाइन भुगतान किया। इसके बाद उनसे और रुपये मांगे गए। व्यवसायी ने पहले दी रकम से वाहन भेजने के लिए कहा। इसके बाद भी उन्हें वाहन नहीं भेजे गए। कंपनी के अधिकारियों से बात करने के बाद उनके वाहन नहीं मिले। व्यवसायी ने इसकी शिकायत तारबाहर थाने में की। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

ट्रेन से गिरे रेलवे हमाल का कटा पैर, अस्पताल पहुंचते ही तोड़ा दम

बिलासपुर (ए)। दगौरी रेलवे स्टेशन में ट्रेन से गिरकर बुजुर्ग की मौत को गई। वे अनूपपुर में रेलवे हमाल थे। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है की वह अनूपपुर से आ रहे थे या जाने के लिए निकले थे। जीआरपी ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया है।

घटना सुबह 10 बजे की है। दागौरी स्टेशन मास्टर ने जीआरपी थाने को घटना के संबंध में मेमो दिया। सुबह 10: 45 बजे मेमो मिला, जिसमें लिखा था की एक 58 वर्षीय यात्री ट्रेन से गिर गया है और इस घटना में उसका बांया पैर ट्रेन की चपेट में आने से कट गया। घटना के तत्काल बाद उपचार के लिए घायल यात्री को बिल्हा अस्पताल में भर्ती कराया गया। पर स्थिति गंभीर देखकर बिल्हा से रेलवे अस्पताल में रेफर कर दिया गया। मेमो के आधार पर जीआरपी पहले रेलवे अस्पताल पहुंची। लेकिन उस समय तक घायल यात्री की मौत हो चुकी थी। मृतक का बेटा अस्पताल में ही था। उससे पूछताछ की गई, तब पता चला की मृतक का नाम थान सिंह नेताम (58) है। वह बिल्हा थाना अंतर्गत उड़दन दगौरी के रहने वाले थे। अभी पूरा बयान दर्ज नहीं हुआ है। इसलिए जीआरपी स्पष्ट नहीं कर रही है कि घटना दगौरी आते समय हुई या अनूपपुर जाते समय।

मरोदा फ्लाई ओवर से दो लड़कियों ने लगाई छलांग, एक की मौत, एक घायल

भिलाई। भिलाई के मरोदा ओवरब्रिज से दो बहनों ने छलांग लगा दी। इसमें से एक की मौत हो गई, जबकि दूसरी की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। दोनों बहनें घर से बाजार जाने की बात कहकर निकली थीं। अभी तक खुदकुशी का कारण सामने नहीं आ सका है। मामला नेवई थाना क्षेत्र का है।

नेवई थाना प्रभारी ममता शर्मा ने बताया कि डुमरडीह की रहने वाली प्रियंका बांधे (18) और उसकी 16 साल की चचेरी बहन ने गुरुवार दोपहर मरोदा ओवर ब्रिज से छलांग लगा दी है। प्रियंका शासकीय कॉलेज उतई में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा है। छोटी बहन 10वीं की छात्रा है। दोनों बहने बाजार

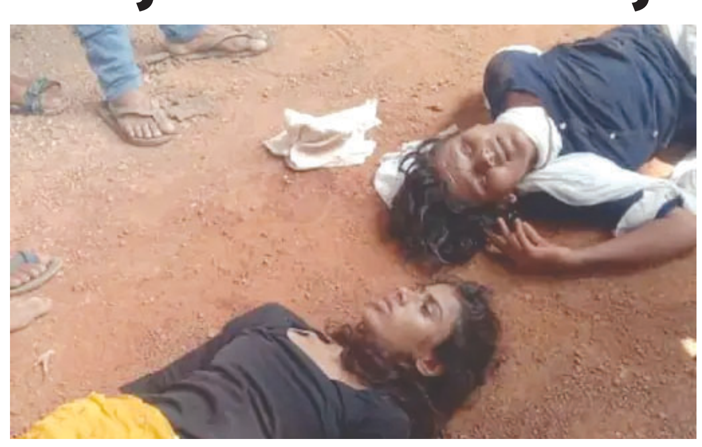

जाने की बात कहकर घर से निकली थीं। वहां से दोनों मैत्री गार्डन चली गईं। वहां से दोनों बस से लौटते समय मरोदा ओवर ब्रिज पर उतर गईं। इससे पहले की कोई कुछ समझ पाता दोनों साथ ही ब्रिज से नीचे कूद गईं। दोनों को कूदते देख आसपास के दुकान वाले उन्हें बचाने दौड़े। इसके बाद 112 में कॉल करके सूचना दी गई। पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्रियंका को मृत घोषित कर दिया।

छोटी बहन की रीढ़ की हड्डी टूटी, अंदरुनी चोट भी

छोटी बहन की रीढ़ की हड्डी टूटने और अंदरुनी चोट आने से उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उसका इलाज जिला अस्पताल दुर्ग में चल रहा है। नेवई टीआई का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग का लग रहा है। खुदकुशी के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है। छोटी बहन के बोलने की स्थिति में आने पर ही सही कारण पता चल पाएगा।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)

निविदा क्रं. 101 से 120 /ले.शा./का.अ./लो.स्वा.यां.खंड/2022 बालोद, दिनांक : 30.05.2022

ई-प्रोक्योरमेंट प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

ऑनलाईन निविदाएं प्रपत्र-ए में प्रतिशत दर पर नीचे उल्लेखित कार्य के लिये कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड बालोद द्वारा के एकीकृत पंजीयन व्यवस्था ई-रजिस्ट्रेशन की सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण :- बालोद जिले के वि.खं. बालोद, गुरूर, गुण्डरदेही एवं डौण्डीलोहारा के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत रेट्रोफिट एवं एकल ग्राम नलजल प्रदाय योजना का कार्य।

	नि.सू. क्र./सिस्टम नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	101/101147	विकासखंड डौण्डीलोहारा गारका	रू. 92.57 लाख
2	102/101148	विकासखंड डौण्डीलोहारा भालूकोन्हा	रू. 70.36 लाख
3	103/101149	विकासखंड गुरूर छेड़िया	रू. 138.43 लाख
4	104/101150	विकासखंड गुरूर खेरथा	रू. 77.66 लाख
5	105/101151	विकासखंड गुरूर बड़भूम	रू. 100.58 लाख
6	106/101152	विकासखंड गुरूर धोबनपुरी	रू. 93.68 लाख
7	107/101153	विकासखंड गुरूर डंडेसरा	रू. 100.67 लाख
8	108/101154	विकासखंड बालोद चरोटा	रू. 75.18 लाख
9	109/101155	विकासखंड बालोद बेलमाण्ड	रू. 140.39 लाख
10	110/101156	विकासखंड बालोद देउरतराई	रू. 69.95 लाख
11	111/101157	विकासखंड बालोद रेवतीनवागांव	रू. 93.87 लाख
12	112/101158	विकासखंड गुण्डरदेही सनौद (2nd call)	रू. 77.69 लाख
13	113/101159	विकासखंड गुरूर टेंगनाबरपारा (2nd call)	रू. 112.72 लाख
14	114/101160	विकासखंड गुरूर बोहारडीह (2nd call)	रू. 101.14 लाख
15	115/101161	विकासखंड डौण्डीलोहारा भंवरमरा (2nd call)	रू. 163.66 लाख
16	116/101162	विकासखंड डौण्डीलोहारा औरी (2nd call)	रू. 64.74 लाख
17	117/101163	विकासखंड गुण्डरदेही मुण्डरा (2nd call)	रू. 99.94 लाख
18	118/101164	विकासखंड बालोद काण्डे (2nd call)	रू. 76.57 लाख
19	119/101165	विकासखंड बालोद लौण्डी (2nd call)	रू. 103.72 लाख
20	120/101166	विकासखंड बालोद गोडपाल (2nd call)	रू. 76.27 लाख

1. बिड सबमिशन प्रारंभ की तिथि - 08.06.2022
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि - 20.06.2022

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 07.06.2022 से एवं कार्यालयीन समय पर कार्यालय में देखे जा सकते हैं।

जी-91774/6

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद
जिला-बालोद (छ.ग.)

20 साल पहले पिता की फोड़ दी थी आंख, बदला लेने के लिए बेटे ने की हत्या

बिलासपुर (ए)। घुटकू में रेलवे ट्रैक पर बुधवार की सुबह घायल मिले दैजा की सरपंच के पति की अस्पताल में मौत हो गई है। इसके बाद पुलिस ने तीन संदेहियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में गांव के युवक ने जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि सरपंच के पति ने 20 साल पहले उसके पिता से मारपीट की थी। इससे उसकी एक आंख की रोशनी चली गई थी। इसका बदला लेने के लिए उसने अपने साथियों के साथ वारदात को अंजाम दिया। कोनी क्षेत्र के घुटकू में रहने वाले नारायण कौशिक(55) किसान थे। उनकी पत्नी संतोषी कौशिक तखतपुर क्षेत्र कीदैजा पंचायत की सरपंच हैं।

उनका परिवार दैजा में रहता है। नारायण घुटकू में अकेले रहते थे। बुधवार की सुबह वे घायल अवस्था में रेलवे ट्रैक में पड़े मिले। किसी ने इसकी जानकारी कोनी पुलिस को दी। इस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल को अस्पताल भेज दिया। साथ ही घटना की जानकारी घायल के बेटे अनिल कौशिक को दी। इस पर अनिल भी अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल में किसान बेहोश थे। इसी दौरान उनकी मौत हो गई। अनिल ने इसकी जानकारी गांव में देकर पूछताछ की। इसमें पता चला कि 31 मई की रात गांव के नंद धीवर और उसके साथी नारायण से मारपीट कर रहे थे। रेलवे ट्रैक के पास सड़क कार्य के लिए मजूदरों का कैंप बनाया गया है। यहां रहने वाले श्रमिकों ने मारपीट से मना किया तो युवक उन्हें भी जान से मारने की धमकी देने लगे।

मारपीट के बाद युवकों ने उन्हें रेलवे ट्रैक पर डाल दिया। इधर युवकों के डर से श्रमिक अपने कैंप चले गए। सुबह श्रमिकों ने घटना की जानकारी गांव वालों को दी। मृतक के बेटे अनिल ने इसकी शिकायत कोनी थाने में की। इस पर पुलिस की टीम गांव में पहुंच गई। पूछताछ में पता चला कि नंद धीवर और उसके साथी गांव से फरार है। गांव में तलाशी के बाद पुलिस ने नंद धीवर को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने बताया कि उसका परिवार नारायण कौशिक के यहां काम करता है। नारायण ने 20 साल पहले नंद के पिता की पिटाई की थी। इससे उनकी एक आंख की रोशनी चली गई थी। इसी बात का बदला लेने के लिए उसने पहले नारायण को बेहोश होने तक पीटा। इसके बाद घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए रेलवे ट्रैक में फेंक दिया।

बकरी की मौत होने पर कर दी थी पिटाई

प्राथमिक पूछताछ में पता चला है कि आरोपित नंद धीवर के पिता 20 साल पहले नारायण के घर काम करते थे। वे नारायण के मवेशियों को चराते थे। इसी दौरान एक बकरी की मौत हो गई। इसी बात को लेकर नारायण ने नंद धीवर के पिता को मार दिया था। इसके कारण उनकी एक आंख की रोशनी चली गई थी। इसके बाद भी नंद का परिवार उनके घर काम कर रहा था।

बेटा यूथ कांग्रेस चुनाव में है प्रत्याशी

मृतक नारायण की पत्नी दैजा गांव की सरपंच हैं। वहीं, उनका बेटा अनिल यूथ कांग्रेस से जुड़ा हुआ है। अनिल यूथ कांग्रेस के तखतपुर विधानसभा चुनाव में अध्यक्ष पद का प्रत्याशी है। वह अक्सर अपने पिता से मिलने के लिए घुटकू आता था। इसके अलावा नारायण भी दैजा आना जाना करते थे। चुनाव में व्यस्त होने के कारण अनिल कुछ दिनों से घुटकू नहीं जा रहे थे।

एटीएम कार्ड बदलकर कार्यालय सहायक के खाते से निकाल लिए रुपये

बिलासपुर (ए)। कृषि विभाग के कार्यालय सहायक का एटीएम कार्ड बदलकर जालसाजों ने 56 हजार 243 रुपये निकाल लिए। एटीएम से रुपये नहीं निकलने पर जब वे बैंक गए तो उन्हें इसकी जानकारी हुई। कार्यालय सहायक ने इसकी शिकायत सरकंडा थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। सरकंडा के नूतन कालोनी में रहने वाले विजय लाल यादव कृषि विभाग में कार्यालय सहायक हैं। वे 28 मई की सुबह 11 बजे रुपये की जरूरत होने पर एटीएम गए। वे र्स्पये निकालने की कोशिश कर रहे थे। किसी कारण से र्स्पये नहीं निकलने पर पीछे खड़े युवक ने एक बार और प्रयास करने के लिए कहा। दूसरी बार में भी र्स्पये नहीं निकलने पर युवक ने उनका कार्ड मशीन से निकाला। इस बीच उसने कार्ड को बदलकर दूसरा कार्ड थमा दिया। इसे लेकर विजय अपने कार्यालय चले गए। इसके बाद रविवार होने के कारण बैंक बंद था। सोमवार को जब वे बैंक गए तो पता चला कि उनके खाते में रुपये नहीं है।

उन्होंने बैंककर्मियों को अपना एटीएम कार्ड दिखाया तो इसे उन्होंने खराब बता दिया। ऐसे में वे वापस आ गए। 31 मई को उनके मोबाइल पर बैंक खाते से रुपये निकालने का मैसेज आए। इस पर उन्होंने बैंक जाकर पता किया। इसमें पता चला कि उनके एटीएम कार्ड से 56 हजार 243 र्स्पये निकाले गए हैं। उन्होंने जांच की तो पता चला कि उनका एटीएम कार्ड बदल दिया गया है। पीड़ित ने मामले की शिकायत सरकंडा थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

इन्फो-शेयरिंग ई-फोरम इन्फो-बाइट्स का दूसरा सत्र आयोजित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा हाल ही में शुरू किए गए इन्फो-शेयरिंग ई-फोरम 'इन्फो-बाइट्स' के तहत दूसरा सत्र 01 जून, 2022 को वर्चुअल मोड (जूम) में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस आयोजन में सेल स्तरीय प्रतियोगिता 'चेयरमेन ट्रॉफी फॉर यंग मैनेजर्स' 2021-22 में बीएसपी की चैंपियन टीम द्वारा एक प्रस्तुति दी गई थी जिसमें ए पी पंसारी, एजीएम (एफएंड ए), एम डी नौशाद आलम, एजीएम (सतर्कता) और मनोज कुमार वास्तव एजीएम (परियोजनाएं) शामिल थे। प्रतियोगिता का विषय च्विश्व स्तरीय परियोजना प्रबंधन प्राप्त करने हेतु सेल में मुद्दे और चुनौतियांज्ञ है जिस पर प्रस्तुति के बाद चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि इस फोरम को इस मुख्य उद्देश्य के साथ लॉन्च किया गया जिसमें संस्थान के युवा प्रबंधकों द्वारा डोमेन से संबंधित विशिष्ट जानकारियों को आपस में साझा किया जाएगा। हाल ही में आयोजित उद्घाटन सत्र के दौरान, वित्त एवं लेखा विभाग के दो युवा अधिकारियों, सहायक प्रबंधक द्वय राहुल चैधरी और प्रवीण यादव द्वारा 'आरबीआई की रेपो रेट में वृद्धि और हमारे लिए निहितार्थ' पर प्रस्तुति दी गई। दूसरे सत्र में ईडी अंजनी कुमार, सीजीएम इंचार्ज (एफएंड ए) डॉ ए के पांडा सहित अन्य विभागों के सीजीएम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

संजय नगर और सुपेला बाजार से हटाई गई नाली से अतिक्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेहरू नगर जोन क्र. 01 और वैशालीनगर जोन क्र. 02 की टीम ने संजय नगर और मार्केट में अतिक्रमण के खिलाफअभियान चलाया। संजय नगर में 10 लोगों ने नाले के किनारे बांस बल्ली से झोपड़ी बनाकर कब्जा कर लिया था तो सुपेला बाजार में दुकानदारों द्वारा नाली पर कांक्रीट से बनाई गई रैम्प, चबूतरे आदि को राजस्व एवं स्वच्छता कर्मचारियों की टीम ने मार्केट के एक ओर तोड़कर नाली का कब्जा खाली कराया। जिससे बारिश का पानी बिना कोई अवरोध के गंतव्य की ओर प्रवाहित हो सके।

भिलाई निगम ने की कार्रवाई

निगम प्रशासन की चेतावनी के बाद भी नाली पर किए गए अतिक्रमण को नहीं हटाया गया था, व्यवसायियों द्वारा नाली में मलबा डालकर स्लेब व सीढ़ी आदि बनाकर दुकान का सामान सड़क तक फैलाकर व्यवसाय कर रहे थे, इसके कारण सफाई कर्मचारियों को नाली साफ करने में कॉफी परेशानी का सामना करना पड़ता था तथा नाली जाम होने से बारिश का पानी सड़कों पर बढ़ने की संभावना बढ़ गई थी। इन सब परिस्थितियों को देखते हुए नाली पर अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने नाली से अतिक्रमण हटाकर सफाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हुए हैं, ताकि नालियों के माध्यम से पानी की निकासी सुगम हो। गौरतलब है कि यहां बड़ी संख्या में शहर के नागरिक सामान खरीदने आते हैं।

सुपेला बाजार में गणपति टाइल्स से बालाजी ट्रेडर्स तक की ओर नाली के उपर दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण करते हुए चबूतरा, सीढ़ी तथा नाली के उपर कांक्रीट डालकर व्यवसाय किया जा रहा था। काफी समझाइश देने के बावजूद भी नालियों से अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इसके कारण हर बार सफाई में दिक्कतें होने लगी थीं। बरसात के दिनों में पानी भी नाली जाम होने के कारण रास्तों पर बहने लगती है। कई स्थानों पर से निकासी बंद हो गया था, इससे सड़क पर गंदगी फैलने लगी थी। इसके कारणे मार्केट में दुर्गंध फैलने की संभावना भी बढ़ गई थी। साथ ही यहां से गुजरने वाले नागरिकों को परेशानी होती थी।

समस्या को गंभीरता से लेते हुए अभियान चलाकर कार्रवाई की गई। व्यवसाय करने के लिए मार्केट में नाली के दोनो ओर दुकानदारों द्वारा नाली पर स्लेब, फर्श तथा कांक्रीट डालकर अतिक्रमण लिया गया था। अतिक्रमण कर बनाए गए चबूतरे पर व्यवसाय करने के लिए इनके द्वारा सामग्री भी यही रखी जाती थी। सड़क संकरी होने के कारण आवागमन में भी दिक्कतें होती थीं। इनके विरूद्ध कार्यवाही करने जोन 01 सहायक राजस्व अधिकारी परमेश्वर चंद्राकर व जोन 02 की तोडूदस्ता टीम ने विभिन्न दुकानों के सामने से अतिक्रमण को हटाकर नालियों की सफाई कराई। कार्यवाही के दौरान जोन 1 और जोन 02 के राजस्व व स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

राशनकार्ड के 32 आवेदनों का किया निदान

मानसिक दिव्यांग युवती को निगम आयुक्त ने की मदद, मिलेगा पेंशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। एच.एस.सी.एल. रूआबांधा कालोनी की 75 प्रतिशत मानसिक दिव्यांग को अब हर माह पेंशन मिलेगा। 28 साल की नेहा पाण्डेय की स्थिति को देखते हुए नगर पालिक निगम रिसाली के आयुक्त आशीष देवांगन ने पेंशन स्वीकृति औपचारिकता शीघ्र पूर्ण कर ऑनलाइन करने निर्देश दिए। एच.एस.सी.एल. कालोनी और रूआबांधा सेक्टर के लिए गुरूवार को निदान 40 शिविर सेंटथॉमस कालेज में लगाया गया था।

मानसिक दिव्यांग युवती को लेकर परिजन शिविर स्थल पहुंचे थे। मानसिक दिव्यांग की वजह से युवती न तो बोल और नही चल सकती है। युवती पर नजर पड़ते ही उपअभियंता नितश अमन साहू ने न केवल मदद की बल्कि त्रुटिपूर्ण आधार कार्ड को भी सुधरवाया। शिविर में सभापति केशव बंछोर, महापौर परिषद के सद्स्य अनूप डे, परमेश्वर कुमार पार्षद शीला नारखेड़े व माया यादव समेत अमनदीप सोढ़ी, प्रेमचंद साहू आदि उपस्थित थे।

शिविर स्थल में नाम जुड़वाने, कटवाने व एपीएल से बीपीएल राशन कार्ड बनवाने कुल 103 आवेदन आए। जिसमें से स्थल पर 32 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया। वही निगम आयुक्त व क्षेत्रिय पार्षद ने कामनी यादव, तुमन बाई साहू, संगीता खाड़ेकर, संगीता ठाकुर लीना निषाद, चेतना साहू, अश्वनी बाई चंद्राकर, सरिता महिलांगे, कायमनी, धनेश्वरी, रेशम साहू, सुरेखा यदु, फुलबासन गोड़, तोमेश्वरी व मिलन बाई सेन को राशन कार्ड सौपा।

कृत्रिम गर्भाधान पर प्रशिक्षण का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग के अंतर्गत पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय अंजोरा, दुर्ग में 30 दिवसीय आवासीय सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण का प्रथम चरण 2 जून 2022 को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.एन.पी. दक्षिणकर, कुलसचिव डॉ.आरके सोनवाने, निदेशक विस्तार डॉ.आरपी तिवारी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. व्हीएन खुणे, डॉ.अमित कुमार गुप्ता, डॉ.यूएस तिवारी एवं राजनांदगांव जिले से 28 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.एनपी दक्षिणकर ने संबोधित करते हुए कहा की सभी प्रशिक्षणार्थी प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक कार्य जैसे - वीर्य परिक्षण, वीर्य की गतिशीलता का परिक्षण, पशुओं में दुग्द्य उत्पादन क्षमता, उनमें होने वाली बिमारियॉ तथा उसके उपचार आदि तकनीकी ज्ञान बढ़ाने पर जोर दे एवं यह प्रशिक्षण स्वरोजगार का एक अच्छा माध्यम बन सकता है तथा उनके परिवार के पालन पोषण में सहायक सिद्व होगा। डॉ. आर.पी.तिवारी ने बताया कि भारत सरकार की गोकुल मिशन योजना अंतर्गत चयनित सुदुर अंचल से 28 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि आज भी 70 प्रतिशत पशुधन में कृत्रिम गर्भधान नहीं हो पा रहा है। उत्कृष्ण श्रेणी के बछिया एवं नस्ल सुधार हेतु कृत्रिम गर्भाधान आवश्यक है। साथ ही देसी सांडों का बधियाकरण भी आवश्यक है। अंत में प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा एक माह के दौरान अर्जित प्रशिक्षण ज्ञान का अनुभव साझा किया गया एवं द्वितीय चरण के अंर्तगत 60 दिवसीय मैदानी प्रायोगिक प्रशिक्षण हेतु संबंधित जिले के उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवायें को मुक्त किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय जनसंपर्क अधिकारी डॉ. दिलीप चौधरी का सराहनीय योगदान रहा।

मोर जमीन मोर मकान के तहत बन रहे हैं 1376 आवास, खुद का घर बनाने के लिए कर सकते हैं आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत मोर जमीन मोर मकान के तहत 1376 मकान निर्माणाधीन है और 2841 मकान पूर्ण हो चुके हैं। आज मॉर्निंग विजिट में निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे आवासों का निरीक्षण किया।

मोर जमीन मोर मकान के तहत अगर किसी को अपना खुद का पक्का मकान बनाना हो तो जोन क्रमांक 3 मदर टैरेसा नगर जोन कार्यालय के प्रथम तल पर प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यालय में आवेदन कर

सकते हैं, महापौर नीरज पाल ने अधिकारियों को इसके लिए आवश्यक निर्देश दिए हैं। आवेदक की पात्रता की अगर बात करें तो आवेदक का जीवित पट्टा या भूस्वामी संबंधित दस्तावेज होना आवश्यक है। मोर जमीन मोर मकान के तहत आवेदन करने के उपरांत डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट को सुडा को प्रेषित किया जाता है वहां से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरांत आवेदक को सूचित कर मकान निर्माण प्रारंभ करने हेतु निशुल्क भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र दिया जाता है। अगर सब्सिडी की बात करें तो शासन से 2.28 लाख रुपए अंशदान हितग्राही को मकान निर्माण के लिए मिलता है वही 86 हजार रुपए हितग्राही को स्वयं का अंशदान देना होता है। नीव बनाने पर प्रथम किस्त की राशि, छज्जा स्तर पर द्वितीय किस्त की राशि और छत ढलाई पर तृतीय किस्त की राशि तथा मकान पूर्ण होने पर चतुर्थ किस्त की राशि हितग्राही को अंशदान के रूप में दी जाती है। शासन से 5972 आवास स्वीकृत किए गए हैं जिसके अधीन मोर जमीन मोर मकान के तहत आवास निर्माण के लिए आवेदन किया जा सकता है। निर्धारित पात्रता के आधार पर 1117 आवास और प्रारंभ किए जाने हैं। मोर जमीन मकान के तहत इसकी पूरी मॉनिटरिंग सर्वेयर एवं अनुबंधित वास्तुविद के माध्यम से होती है। सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मोर जमीन मोर मकान के निर्माण की बात करें तो अधिकतर लोगों ने इस योजना का लाभ लिया है। आज निगमायुक्त ने कांट्रैक्टर कॉलोनी के पार्षद भोजराज सिन्हा के साथ वार्ड क्षेत्र का निरीक्षण किया।

बार एवं राड मिल में शिरोमणि पुरस्कार समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के बार एवं राड मिल विभाग में दिनांक 01 जून, 2022 को शिरोमणि पुरस्कार योजना के अर्न्तगत सृजनशील व कर्मठ कार्मिकों को पाली एवं कर्म शिरोमणि पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। बार एवं राड मिल सिक्योर भवन के सभागार में आयोजित समारोह में बी एच वेंकट नरसिंहमम, सहायक प्रबंधक (प्रचालन), अनिल कुमार द्विवेदी सहायक प्रबंधक (प्रचालन) को पाली शिरोमणि एवं शिव दास ओसीटी प्रचालन, सुभाष चंद्र मुर्मु, ओसीटी यान्त्रिकी, आशीष कुमार ओसीटी (प्रचालन) एवं अमित कुमार सिंह ओसीटी (विद्युत) को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विभाग प्रमुख मुकेश गुप्ता ने अपने संदेश में कार्मिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में

उपस्थित महाप्रबंधक (यान्त्रिकी) एस के बेहरा ने पुरस्कार स्वरूप कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, पत्नियों के नाम सराहना पत्र एवं मिठाई से सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल एवं सफल जीवन की कामना की। श्री बेहरा ने पुरस्कृत कार्मिकों की कर्मठता एवं लगन की प्रशंसा की तथा अन्य कार्मिकों को इन पुरस्कृत कर्मियों से प्रेरणा लेकर ऐसे ही लगन से कार्य करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारीगण एस एन त्रिपाठी, आशीष तथा के के ठाकुर ने पुरस्कृत कार्मिकों के समर्पण, लगन और कार्य कुशलता की सराहना की।

उन्होंने बताया कि यह ऐसी अनूठी योजना हैं जिससे पुरस्कार विजेता अधिकारी एवं कर्मचारियों से अन्य कर्मचारी प्रेरित होकर अपनी कार्यक्षमता और अधिक समर्पित होकर बढ़ाने का प्रयास करते हैं एवं पत्नियों के योगदान को भी सराहा जाता है। उप महाप्रबंधक (कार्मिक मिल्स् जोन-1) श्री राजीव कुमार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सर्वप्रथम विजेता कार्मिकों का स्वागत किया एवं उन्हें बधाई दी। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि अब तक बार रॉड मिल में 14 पाली शिरोमणि पुरस्कार एवं 37 कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरित किए जा चुके है। कार्यक्रम में पुरस्कृत कर्मियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। प्रबंधन की इस पहल एवं पुरस्कार योजना की सराहना करते हुए बेहतर कार्य करने का संकल्प लिया। बीआरएम के वरिष्ठ अधिकारीगण, कार्मिकगण एवं कार्मिक अनुभाग के कर्मियों की गरिमामयी उपस्थिति मे यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सामाजिक दूरी का पालन करते हुए सफल बनाने में अति.श्रम कल्याण अधिकारी राजेश कुमार पांडेय, जितेन्द्र कुमार सोनी एवं सतीष कुमार का सराहनीय योगदान रहा।

शिविर में प्राप्त आवेदनो का निराकरण होने से आम जनता में खुशी की लहर

जनसमस्या समाधान शिविर में प्राप्त आवेदनों को किया जा रहा है त्वरित निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग द्वारा लगातार जन समस्या समाधान शिविर के आयोजन किये जाने से लोगो की समस्याओं का समाधान हो रहा है जिससे आगामी दिनों में लग रहे समाधान शिविरो में शिकायतो से संबंधित आवेदन कम प्राप्त हो रहे है । इससे ऐसा प्रतित हो रहा है नगर पालिक निगम द्वारा नागरिको की समस्याओ का जो त्वरित निराकरण ऑन स्पॉट किया जा रहा है ।

जिससे शहर के नागरिक रहवासी खुश है एवं उनकी समस्याओ की सुना भी जा रहा है एवं उसका समाधान भी किया जा रहा है । आज दिनांक 02 जुन दिन गुरूवार को वार्ड क्रमांक - 47 एवं 48 वार्ड के नागरिको को मूलभूत समस्याओ के निदान के लिए जनसमस्या समाधान शिविर का आयोजन शासकीय गुरूनानक स्कूल रायपुरनाका में आयोजित किया गया जिसमें नगर निगम आयुक्त हरेश मंडावी एवं संबंधित वार्ड के पार्षद श्रीमती कविता तांडी एवं माहेश्वरी ठाकुर एवं अन्य जनप्रतिनिधि शिविर में उपस्थित हुए उनके द्वारा अपने-अपने वार्ड के नागरिको की समस्याओ से शिविर में उपस्थित विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया एवं उनकी समस्या को ध्यान में रखते हुए जिनका निराकरण मौके पर ही किया गया।आज शिविर में कुल 101 आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिसमें 82 आवेदक चूंकि वार्ड 47 एवं 48 के अधिकांश हिस्सा स्लम परिवार निवास करता है । इसलिए आवासीय पट्टा प्रदान किये जाने से संबंधित प्राप्त हुये जिन्हे निगमायुक्त हरेश मंडावी के निर्देशानुसार सक्षम अधिकारी को निराकरण करने हेतु प्रेषित किया गया एवं 09 आवेदन प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् प्राप्त हुये जिन्हे मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारी को निराकरण करने हेतु सौपा गया । नये राशन कार्ड बनाने पेयजल व्यवस्था एवं पेंशन के आवेदनो को भी मौके पर उपस्थित विभागीय अधिकारी को सौपा गया एवं त्वरित निराकरण करने निर्देश दिये गये । कल दिनांक 03 जुन 2022 दिन शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 49, 50, 51 एवं 52 वार्ड के जनसमस्या समाधान शिविर का आयोजन मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय बोरसी में समय सुबह 10:00 बजे से 02:00 बजे तक रखा गया है । अत: संबंधित वार्ड के नागरिको से अपील की जाती है कि वह अपनी समस्या के समाधान हेतु शिविर में उपस्थित होकर निराकरण करवाये।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950